

सुप्रीम कोर्ट ने

मलयालम चैनल

मीडिया वन के

प्रसारण पर

लगे प्रतिबंध को

हटाते हुए कहा कि मीडिया द्वारा

सरकार की किसी

भी नीतियों की

आलोचना को

सत्ता विरोधी नहीं

कहा जा सकता

इससे राष्ट्र को

कोई खतरा

नहीं होता।

जयपुर। शीर्ष अदालत के मुख्य

न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायाधीश

हिमा कोहली की पीठ ने बुधवार को कहा

कि सरकार प्रेस पर अनुचित प्रतिबंध

नहीं लगा सकती। ऐसा करना प्रेस की

आजादी को प्रभावित करता है। सुप्रीम

कोर्ट ने मजबूत लोकतंत्र के लिए प्रेस की

आजादी को आवश्यक बताते हुए कहा

कि प्रेस का कर्तव्य देश के सामने सच

हिलव्यू समाचार

# हलव्य समाच

You Tube

R.N.I. No. RAJHIN/2014/56746

अकेला सच झूठ की भीड़ पर भारी होता है। -शालिनी श्रीवास्तव

website: www.hsnews.in

वर्ष : 09 > अंक : 40 > मूल्य: 10 रुपए >पृष्ठ : 08

साप्ताहिक समाचार पत्र

# प्रेस का कर्तव्य देश के सामने सच बोलना है: सुप्रीम कोर्ट



#### निचली अदालतों को सम्बोधन

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, अदालतों को सरकार के गोपनीयता के दावों का आंकलन करने के लिए न्यायमित्र नियुक्त करना चाहिए, जिनसे तर्कपूर्ण आदेश देने में कोर्ट को मदद मिलेगी।

हुए 31 जनवरी को मलयालम चैनल केंद्रीय सूचना व प्रसारण और गृह मीडिया वन के प्रसारण पर रोक लगा मंत्रालय ने राष्ट्रीय सुरक्षा को ख़तरा बताते दी थी।मुख्य न्यायाधीश जस्टिस डीवाई

चंद्रचुड़ और जस्टिस हिमा कोहली की पीठ ने केंद्र को चैनल के लाइसेंस का नवीनीकरण चार हफ्ते में करने का निर्देश दिया। पीठ ने केरल हाईकोर्ट के उस आदेश को दरिकनार कर दिया, जिसमें प्रतिबंध को बरक़रार रखा गया था। पीठ केरल हाईकोर्ट के आदेश के ख़िलाफ़

शीर्ष अदालत की पीठ ने कहा कि प्रेस का कर्तव्य है कि वह सत्ता के सामने सच

याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

लाए। नागरिकों के सामने कठोर तथ्य पेश करे, जिससे वे लोकतंत्र को सही दिशा में ले जाने वाला विकल्प चुन सकें। चैनल के लाइसेंस का नवीनीकरण न करना अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार पर प्रतिबंध है। पीठ ने कहा, सामाजिक से आर्थिक,आर्थिक से राजनीतिक विचारधाराओं तक के मुद्दों पर एकरूपता वाला दुष्टिकोण लोकतंत्र के लिए बड़ा खतरा पैदा करेगा।

चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई)

डी वाई चंद्रचूड़ और जस्टिस हिमा कोहली



जयपुर, शुक्रवार, ०७ अप्रैल २०२३

विश्व स्वास्थ्य दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ (७ अप्रैल)

#### पहला सुख निरोगी काया दूजा सुख घर में हो माया

जयपर। उक्त वाक्य एकदम यथार्थे है क्योंकि जब तक इंसान का शरीर साथ देता है तब तक ही इंसान अपनी इच्छाओं के अनुरुप कार्य कर सकता है अन्यथा उसे पल पल दूसरों पर आश्रित रहना पडता है । 7 अप्रैल 1948 को विश्व के समस्त लोगों के स्वास्थ्य की उचित देखभाल एवं विशेष रूप से गरीब और आर्थिक रूप से वंचित समुदाय के उत्तम स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हए वर्ल्ड हैल्थ ऑर्गेनाइजेशन संस्था की स्थापना की गई थी। इस संस्था की स्थापना के दो

वर्ष बाद से ही विश्व स्वास्थ्य दिवस की शुरुआत हुई। आज की आधुनिक लाइफ स्टाइल के आदि लोगों को सिर्फ़ शारिरिक ही नहीं वरन मानसिक बीमारियों ने ज्यादा घेर लिया है जिसकी वजह से औसत उम्र भी घट रही है साथ ही उस देश की प्रगति पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसीलिये वर्ल्ड हैल्थ ऑर्गेनाइजेशन संस्था प्रति वर्ष लोगों को स्वयं के शरीर के प्रति जागरूक करने हेतु विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन करती है और तनाव रहित जीवन जीवन जीने का संदेश देती है।

#### 22 मार्च से है कोर्ट का स्टे उसके बावजूद 4 म 46 जवाहर नगर पर चल रहा तेज़ी से अवैध निर्माण

हिलव्यू समाचार जयपुर। आदर्शनगर जोन नगर निगम हैरीटेज के बेहद क़रीब जवाहर नगर स्थित भूखण्ड संख्या ४ म ४६ को अवैध निर्माण के चलते मीडिया हस्तक्षेप और आमजन की शिक़ायत पर लगभग 03 बार निगम की ओर से सील किया जा चुका है लेकिन झूठे शपथ पत्र प्रस्तुत कर 180 दिन से पूर्व ही सीलें खुलवा ली गयीं। इसके उपरांत इस पर आवासीय भूखण्ड के अवैध निर्माण को लेंकर कॉलोनी के जागरूक लोगों ने न्यायालय में गुहार लगाई और 22 मार्च 2023 को इसको यथास्थिति बनाये रखने और अवैध निर्माण को रोकने के आदेश आदर्शनगर नगर निगम हैरीटेज को दे दिए गए हैं किंतु अब भी लगातार काम को अंजाम दिया जा रहा है। वार्ड ९४ पार्षद घनश्यामदास



चंदलानी इसके मालिक हैं और साथ हैं वार्ड 93 के पार्षद नीरज अग्रवाल दोनों पार्षदों की पावर का नाम है स्थानीय विधायक रफ़ीक़ ख़ान। राजनैतिक दबदबे के कारण आम जनता के हितों के साथ खिलवाड़ हो रहा है।

### राजस्व विभाग और आयकर विभाग को धोखा दे रहे हैं अवैध बिल्डिंग और कॉम्प्लेक्स बनाने वाले बिल्डर्स

जेडीए पीआरएन साउथ में नक्शे और अनुमोदित स्वीकृति के विरुद्ध हो रहे अवैध निर्माण!बिल्डर संजय अग्रवाल ने आठ फ्लैट की परमिशन लेकर बना लिए सोलह फ्लैट्स, पीआरएन साउथ महावीर नगर बी प्लॉट न.01,02,03 आवासीय भूखण्ड पर हुआ व्यवसायिक निर्माण, बनाई दुकानें, अवैध बहुमंज़िला इमारतों का गढ़ है जेडीए का पीआरएन साउथ

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। बिल्डिंग एमएसबी सुप्रीम ट्यूलिप डॉ राजेन्द्र प्रसाद नगर प्लॉट न.23-24 खसरा नंबर 135 पूरी तरह से अवैध निर्माण कर बनाई गई बिल्डिंग है।बिल्डर संजय अग्रवाल ने उपरोक्त बिल्डिंग बनाने से पहले न प्लॉट्स का पुनर्गठन किया गया है और न स्वीकृति अनुसार निर्माण किया। जहाँ जेडीए द्वारा ८ फ्लैट्स की अनुमति प्रदान की गई वहाँ 16 फ्लैट्स का निर्माण किया गया जो कि अपने आप में एक धोखाधड़ी

महावीर नगर बी प्लॉट न.01,02,03 आवासीय भुखण्ड पर हुआ व्यवसायिक निर्माण बनाई

या झूठ ही नहीं बल्कि एक अपराध

आख़िर जेडीए जोन 18



एमसीबी सुप्रीम ट्यूलिप डॉ राजेन्द्र प्रसाद नगर,खसरा नंबर 135,पिआरएन दक्षिण जेडीए से मात्र 08 फ्लैट की

स्वीकृति लेकर 16 फ्लैट्स बनाने का घोटाला



पृथ्वीराजनगर दक्षिण के ईओ संज्ञान क्यों नहीं ले रहे हैं और न ही उचित विधि सम्मत कार्यवाही कर रहे हैं। क्या वजह है कि सम्बंधित जोन अधिकारी इस तरह के अवैध निर्माणों पर कार्यवाही नहीं कर रहे?

लगातार पीआरएन साउथ सुरेश यादव इन अवैध निर्माणों पर (पृथ्वीराजनगर दक्षिण) में अवैध निर्माण जोरों पर है लेकिन कार्यवाही निष्क्रिय है। आख़िर मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन अधिकारी रघुवीर सैनी सबंधित जोन के अधिकारियों के ऊपर कोई सख़्त कार्यवाही क्यों

C-60, साकेत कॉलोनी,

आदर्शनगर, राजापार्क

आम जनता के विश्वास के साथ भी खेल खेलते हैं क्योंकि ऐसी बिल्डिंग्स को बनाने का एकमात्र उद्देश्य कम लागत में अत्यधिक लाभ अर्जित करना होता है । इस लाभ की मात्रा में से एक हिस्सा कहीं ना कहीं उच्च अधिकारियों व कर्मचारियों के पास भी पहुँचता है तभी जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा ठोस कार्यवाही नहीं की जाती। ठोस कार्यवाही नहीं करना ही उच्च अधिकारियों व कर्मचारियों की मिलीभगत और संलिप्तता को प्रदर्शित करता है।

कम फ्लैट्स की स्वीकृति

छोड़े एवं बिना पुनर्गठन किये ऐसी

बिल्डिंग्स बनाकर बिल्डर्स सरकार

को तो धोखा देते ही है बल्कि

## आदर्शनगर और मालवीयनगर विधानसभा की पहचान है अतिक्रमण और अवैध निर्माण

#### आमजन या मीडिया दबाव के बाद विभागों द्वारा होता हस्तक्षेप मगर फिर भी बन रही अवैध इमारतों की अंतिम सच्चाई है विभाग की ही हिस्सेदारी या मिलीभगत

शालिनी श्रीवास्तव

(हिलव्यू समाचार)। मालवीयनगर विधानसभा क्षेत्र में कछ घण्टों के सर्वे में आप पाएंगे बिना स्वीकृत जीरो सेटबैक पर बन रहीं हैं आवासीय भखण्ड पर अंसख्य बहमंजिला इमारतें या कमर्शियल कॉम्लेक्स। बिल्डर्स की भाषा में कहें तो लाइजनिंग और जॉइंट वेंचर में बिल्डर्स दे रहे हैं काम को अंजाम और वह भी सरकारी विभागों के कर्मचारी,अधिकारी और जनप्रतिनिधियों के साथ मिलकर।

जेडीए,हाउसिंग बोर्ड,नगर निगम हैरीटेज,नगर निगम ग्रेटर चारों में से किसी भी विभाग की योजना या अधिकार क्षेत्र का मामला हो बड़ी बेशर्मी से बिल्डर्स और व्यापारी सरकार और शासन को अपनी जेब में होने का दावा करते नजर आते हैं और नजर भी आती है उनकी कही सच्चाई आँखों के सामने।

मीडिया या आम जागरूक जनता के बेहद दबाव के बाद अगर बिल्डिंग्स सील हो भी जाये तो भी आदेश की अवमानना कर काम धड़ल्ले पर चलता है और सुनवाई और कार्यवाही के नाम पर निल बटा सन्नाटा पसरा होता है इन विभागों में। रटीरटाई तर्ज पर उच्च अधिकारी से लेकर छोटे से छोटे कर्मचारी का भी हिस्सा और हस्तक्षेप होता है इन अवैध बनती बहुमंजिला बिल्डिंग्स में। पूरा दिन निगम जेडीए के इस कार्यक्षेत्र से जुड़े कर्मचारियों

अधिकारियों में और बिल्डर्स के बीच यही जुगाड चलता है कि किस तरह अवैध को वैध क़रार दिया जाये या नजरंदाज किया जाए इसी पर दिमाग की सईयाँ घमती हैं।

लगातार बढ़ते अतिक्रमण और अवैध निर्माण आम जनता की निग़ाहों से कैसे छिप सकते हैं? ये अतिक्रमण और अवैध निर्माण इस बात के परिचायक हैं कि आदर्शनगर नगर निगम हेरिटेज हो या मालवीयनगर नगर निगम ग्रेटर की मिलीभगत के बिना कुछ भी सम्भव नहीं। निर्माण शाखा को क्या यह अवैध भवन या इमारतें सील बन्द नहीं करने चाहिए? उपायुक्त आदर्शनगर जोन सुरेश राव या मालवीयनगर जोन महेश मान अपने एरिया में कितना दौरे पर जाते हैं यह सर्वविदित है क्योंकि जाने की आवश्यकता ही नहीं होती। पूरी एक टीम कहें या लॉबी काम करती है जो चिन्हित करती है अवैध निर्माण और जहाँ से पूर्ति या उच्च इशारा हो जाता है वह अवैध निर्माण आँखों से ही नहीं फाइल से ओझल हो जाता है।

#### आख़िर कब रुकेंगे यह अवैध निर्माण और अतिक्रमण?

आम जनता के हितों की रक्षार्थ बैठे ये अधिकारी आम जनता से तो मिलते ही नहीं। मिलते हैं तो बस ख़ास लोगों से जिनसे इनका मन और मनी दोनों काम





आदर्शनगर, राजापार्क

प्लॉट न.450,खालसा हैरीटेज के सामने.



C-29-30,मंगलम हॉस्पिटल,सिंधी कॉलोनी,राजापार्क

# भसीन कार वाली बिल्डिंग, उदय मार्ग, राजापार्क

#### अकेले वार्ड ९४ पार्षद घनश्यामदास चंदलानी के द्वारा किये जा रहे अतिक्रमण एवं अवैध निर्माणों की सूची

- 1. सर्वानंद पार्क : सिंधी केंग्लोनी 100x30) का
- 2. प्लॉट न. 307 : सिंधी कॉलोनी, न्यू राजापार्क।
- 3. प्लॉट न.25 : रामगली न.08,न्यू राजापार्क। 4. प्लॉट न.314 : शांतिपथ, देवीमाता मंदिर
- रोड़, सिंधी कॉलोनी,राजापार्क। 5. प्लॉट न.८८ : रामगली न.०६,आदर्शनगर राजापार्क।
- 6. श्यामपान भंडार,बर्फ़ख़ाने के पास चार
- 7. भूखण्ड संख्या ४ म ४६ पर लगातार अवैध निर्माण और वार्ड 93 पार्षद नीरज अग्रवाल से साझेदारी। तीन बार सीजर कार्यवाही और तीनों सीजर के बाद धन्यश्याम दास द्वारा झूठे शपथ पत्र पेश करके डीएलबी से बार-बार सील मुक्त। अवैध निर्माण आज भी जारी।

#### आदर्शनगर-मालवीयनगर जोन में अवैध निर्माणों की श्रृंखला

- 1. सी-09, सिंधी कॉलोनी, आदर्शनगॅर,न्यूराजापार्क • २. सी-१७, सिंधी कॉलोनी, आदर्शनगर, न्युराजापार्क
- 3. सी-24,सिंधी कॉलोनी,आदर्शनगर,न्यूराजापार्क 4. सी-27,सिंधी कॉलोनी,आदर्शनगर,न्यूराजापार्क
- 5. सी-29-30, सिंधी कॉलोनी, न्यू राजापार्क 6. 582 ए उदयमार्ग,राजापार्क 7. C-60,साकेत कॉलोनी आदर्शनगर
- 8. 151 फ्रंटियर कॉलोनी, आदर्शनगर 9. 236 फ्रंटियर कॉलोनी आदर्शनगर
- 10.237 फ्रंटियर कॉलोनी आदर्शनगर 11.272 दशहरा मैदान,आदर्शनगर
- 12.206 फ्रंटियर कॉलोनी आदर्शनगर 13.208 फ्रंटियर कॉलोनी आदर्शनगर 14.694,फ्रंटियर कॉलोनी आदर्शनगर
- 15. 272 फ्रंटियर कॉलोनी आदर्शनगर 16. 678 मेहता ब्लॉक आदर्शनगर
- 17. 620 मेहता ब्लॉक आदर्शनगर 18.450, खालसा हैरीटेज के सामने, आदर्शनगर 19.383,बीस दुकान आदर्शनगर
- 20.C-1 गोविंद मार्ग,राजापार्क 21.751 अशोक चौक आदर्शनगर
- 22.752 अशोक चौक आदर्शनगर 23. 153, रामगली न.03, राजापार्क • २४. ३९१-३९२,गुरूनानकपुरा,राजापार्क
- २५. ३८६,गुरुनानकपुरा, राजापार्क 26. एलबीएस कॉलेज रोड़, मुख्यमार्ग पर अवैध
- २७. भसीन कार,उदय मार्ग,राजापार्क
- 28. मीनू ड्रेसेस,उदय मार्ग,राजापार्क 29. सेक्टर 02,जवाहर नगर,निगम की करोडों की संपत्ति पर अवैध कब्जा काबिज़

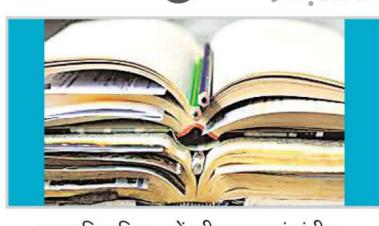
(चित्र सहित विस्तार से अगले अंक में इस क्षेत्र के और अन्य अवैध निर्माण प्रकाशित होंगे)





### **० दरवल**

हिलव्यू समाचार



राज्य विश्वविद्यालयों की समस्याएं गंभीर हैं, युवाओं को राष्ट्र एवं समाज निर्माण में संयोजित करने हेतु इनका समाधान जरूरी है। महाविद्यालयों पर भारी वित्तीय व्यय तभी सार्थक तथा सफल हो सकेंगे, जब विश्वविद्यालय मजबूत तथा सक्षम होंगे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का समग्रता में कार्यान्वयन भी होना है। समझना होगा कि विश्वविद्यालयों को अकादिमक तौर पर सक्षम बनाए बगैर उच्चिशक्षा में सुधार की उम्मीद रखना, कोरी कल्पना ही होगी।

## उच्च शिक्षा में सुधार की उम्मीद

विश्वविद्यालयों का प्रमुख उद्देश्य उत्कृष्ट ज्ञान का सृजन एवं प्रसार कर तार्किकता, रचनात्मकता, सांस्कृतिक संवेदनशीलता तथा सौंदर्य बोध को बढ़ावा देते हुए राष्ट्र एवं समाज निर्माण में सिक्रय भूमिका निभाना है। भारत में नालंदा, तक्षशिला, विक्रमिशला, ओदन्तपुरी जैसे प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों की संवृद्ध विरासत है। भारत में विश्वविद्यालयों से पढ़े-लिखे लाखों युवाओं की गुणवत्ता पर प्रशनचिह्न है। देश के 90 फीसदी से अधिक स्नातक राज्य विश्वविद्यालयों से निकलते हैं, जहां शिक्षा का स्तर अनेक कारणों से गिर रहा है, वे समाज की बदलती जरूरतें पूरी करने में असमर्थ हैं। हालिया वर्षों में यह समस्या और भी जटिल हो गयी है, अतः इसमे बदलाव की जरूरत है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 मौजूदा उच्चिशिक्षा के पाठ्यचर्या, शिक्षणशास्त्र, शिक्षण एवं मूल्यांकन प्रणालियों तथा शैक्षणिक संस्थाओं में बुनियादी बदलाव लाने का मंसूबा खती है।

यह बहुविषयक एवं बहु-प्रवेश-निकास के साथ विषय चयन में लचीलेपन की व्यवस्थाकर छात्र को शिक्षा प्रणाली के बेहतर अवसरों का फायदा उठाने में सक्षम बनाएगी। साथ ही मौजूदा उच्चिशिक्षा संस्थानों में समेकन, विस्तार, सुधार एवं नई क्षमताओं का निर्माणकर जीईआर को 2035 तक दोगुना करेगी। वर्तमान उच्चिशिक्षा प्रणाली में स्वशासी संस्थान, अभियान्त्रिकी एवं प्रबंधन संस्थान, केंद्रीय व राज्य विश्वविद्यालय तथा डीम्ड विश्वविद्यालय जैसे डिग्री, डिप्लोमा अथवा सर्टिफिकेट प्रदान करने वाले अनेक संस्थान हैं। एनईपी-2020 द्वारा उच्चिशिक्षा में सबसे बड़ा बदलाव तीन हजार या अधिक छात्र संख्या वाले बड़े बहुविषयक महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों तथा उच्चतर शिक्षण संस्थान समूहों का पुनर्गठन एवं समेकन है। इसके तहत् सभी मौजूदा उच्चतर शिक्षण संस्थान चरणबद्ध ढ़ंग से सबसे पहले वर्ष 2030 तक बहुविषयक संस्थान बनेंगे। जो बाद में वर्ष 2040 तक अनुसंधान गहन विश्वविद्यालय, शिक्षण विश्वविद्यालय तथा डिग्री देने वाले स्वायत्त कॉलेज के रूप में विकसित होंगे।

विश्वविद्यालयों को कम से कम शिक्षण-सह-अनुसंधान संस्थानों में परिवर्तित होना होगा। यह उच्चतर शिक्षण संस्थानों के लिए एक चुनौतीपूर्ण रास्ता होगा। इसके लिए वित्तीय संसाधनों की आवश्यकता होगी, जिस पर संभवतः विचार ही नहीं हो रहा है। इसे राज्यों विशेषकर मध्यप्रदेश के संदर्भ में समझना होगा। मध्यप्रदेश की लगभग साढ़े सात करोड़ की आबादी में 18 से 23 वर्ष के मध्य के 90 लाख युवाओं

में बीस लाख युवा उच्चिशिक्षा में प्रवेशित होकर 21.5 की सकल नामांकन दर करने में योगदान दे रहे हैं, जो भारतवर्ष के औसत 26.3 से काफी कम है। मध्यप्रदेश में सात परम्परागत विश्वविद्यालयों के साथ 18 अन्य सरकारी एवं 35 निजी विश्वविद्यालयों सहित लगभग डेढ़ हजार से अधिक संबद्ध सरकारी तथा निजी महाविद्यालय हैं। विश्वविद्यालय नीतियों, कोर्स का निर्माण करते हैं, संबद्ध महाविद्यालय निर्धारित मानदंडानुसार डिग्री प्रदान करते हैं। मध्यप्रदेश में सरकारी विश्वविद्यालयों से अपेक्षा है कि वे कार्य संस्कृति में बदलाव कर प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता, वित्तीय दक्षता एवं ऊंचे अकादिमक मानक हासिल करें। कुछ बुनियादी समस्याएं मध्यप्रदेश के विश्वविद्यालयीन शिक्षा के उन्नयन में रुकावटें पैदा कर रही हैं।

वित्तीय संसाधनों की कमी, राज्य विश्वविद्यालयों के सम्मुख सबसे महत्वपूर्ण समस्या है। सरकारी विश्वविद्यालयों को सरकार से नाममात्र का अनुदान प्राप्त हो रहा है। विश्वविद्यालयों से अपेक्षा है कि वे अपनी वित्तीय आवश्यकताओं को पूर्ति के लिए आंतरिक स्रोतों पर निर्भर हों। शिक्षण शुल्क सरकारी विश्वविद्यालयों में अपेक्षाकृत बहुत कम होता है। नतीजतन, विश्वविद्यालय स्विवत्तीय कार्यक्रमों में शुल्क के जिए संसाधन जुटाने की कोशिश करते हैं। परंतु बुनियादी ढांचे एवं शिक्षकों की कमी के कारण शिक्षा की गुणवत्ता निम्न रह जाती है। लगभग सभी विश्वविद्यालयों में शिक्षक सहित कर्मचारी अपर्याप्त हैं। मध्यप्रदेश में कुल जितने नियमित विश्वविद्यालयीन शिक्षक हैं, देश के अनेक विश्वविद्यालयों में अकेले इससे अधिक शिक्षक होंगे। राज्य के समस्त विश्वविद्यालयों को कुल मिलाकर जितना अनुदान प्राप्त होता है, देश के किसी भी केंद्रीय विश्वविद्यालय को अकेले उससे कई गुना अनुदान प्राप्त होता है।

भौतिक अवसंरचना जैसे भवन, प्रयोगशालाएं, पुस्तकालय, खेल मैदान आदि शैक्षिक संस्थान की बुनियादी जरूरतें हैं, जिनकी कमी है। प्रश्न है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के कार्यान्वयन हेतु प्रत्येक जिले में वर्ष 2040 तक कम से कम एक विश्वविद्यालय की स्थापना कैसे संभव हो सकेगी, जबिक पूर्व स्थापित विश्वविद्यालय ही आर्थिक बदहाली में हैं। विश्वविद्यालय के बजट को कम करने की प्रथा 1980 के दशक में आरंभ होकर 1990 के दशक में बेकाबू हो गई थी। निजीकरण के दौर में विश्वविद्यालयों ने अनुदानों में और भी अधिक कटौती देखी। मप्र सहित देशभर में राज्य विश्वविद्यालय सरकारी

अनुदान के आसरे रहते हैं, जिसमें विगत तीस वर्षों में कोई बढ़ोतरी करना तो दीगर बात है अपितु कटौती की गई है। प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों में शिक्षण की तदर्थ व्यवस्थाएं हैं। नये विभाग तथा पदों के सृजन की बात बेमानी है। शिक्षकों का वेतन खतरे में है तथा रिटायर शिक्षक पेंशन हेतु भटक रहे हैं। शिक्षकों की प्रमोशन तथा सेवा-शतें निराशाजनक हैं। ऐसा नहीं है कि सरकार के पास वित्त नहीं है अथवा सरकार ने उच्चिशिक्षा पर व्यय नहीं किया है।

सरकार ने अंतरराष्ट्रीय वितीय संस्था से प्राप्त हजारों करोड़ के कर्ज तथा राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा आयोग से प्राप्त राशि को सरकारी कालेजों में बगैर किसी दूरगामी सोच के व्यय किया है, विश्वविद्यालयों को पूरी तरह से नजरंदाज किया गया। संभावित प्रतिफल का सही मूल्यांकन तो समय बताएगा। सरकारी तंत्र यह समझने का प्रयत्न ही नहीं कर रहा है कि बगैर विश्वविद्यालयों के अकादिमक उन्नयन के उच्चिशिक्षा में सुधार की बात बेमानी ही रहेगी। दरअसल, विश्वविद्यालयों को वित्तीय मदद से महरूम रख तथा अनुदान में कटौती कर विश्वविद्यालयों को असहाय बना चुकी हैं। विश्वविद्यालय राज्य सरकारों के सामने घुटनों पर हैं। विश्वविद्यालयों की अन्य समस्याएं कम चिंताजनक नहीं हैं। राज्य विश्वविद्यालयों की अन्य समस्याएं कम चिंताजनक नहीं हैं। राज्य विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता लायक साबित करने में विफल रहे हैं। दरअसल, राज्य विश्वविद्यालय स्वस्थ शिक्षण एवं कार्य संस्कृति बनाने में अक्षम हैं। स्वायत्तता आवश्यक है, साथ ही जवाबदेही सुनिश्चित होनी चाहिए। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता आवश्यक है।

स्वायत्तता इस हद तक कम हो गई है कि विश्वविद्यालय राज्य के सरकारि विभाग का हिस्सा बन गए हैं। दुर्भाग्य से, सरकार द्वारा विश्वविद्यालयीन शिक्षा को सबसे कम प्राथमिकता दी जाती है। वर्ष 1997 में, भारत सरकार के प्रपत्र में उच्चिशक्षा को गैर-मेरिट वस्तु तथा प्रारंभिक शिक्षा को मेरिट वस्तु के रूप में वर्गीकृत किया गया। शिक्षा भारत के संविधान की समवतीं सूची में है। महत्वपूर्ण है कि जब तक उच्च शिक्षा पर ध्यान नहीं दिया जाता, तब तक शैक्षणिकस्तर घटिया ही रहेगा। अन्य महत्वपूर्ण मुद्दा शिक्षकों सहित कुलपित की नियुक्ति का है। कुलपित मुखिया होता है, जो जीवंत शिक्षा मानक और शैक्षणिक माहौल प्रदान कर अकादिमक नेतृत्व करता है।

**डॉ सत्येन्द्र किशोर मिश्र** (प्रोफेसर, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन)



#### सम्पादकीय

## कोरोना को न लें हल्के में

पहले कहा गया था कि कोरोना का टीका संक्रमण से सुरक्षा देगा, लेकिन इस विषाणु के फैलने की बदलती प्रकृति ने बताया है कि अगर टीका लेने वाले लोग भी बचाव को लेकर ढीला रुख अपनाएंगे, तो फिर कोरोना विषाणु की चपेट में आने की आशंका बनी रहेगी।



एक बार फिर कोरोना की बढ़ती रफ्तार लोगों में डर पैदा कर रही है। भारत में भी बीते कुछ दिनों से लगातार तीन हजार से भी ज्यादा मामले सामने आ रहे हैं। भारत एक बार फिर से दुनिया उन पांच देशों में शामिल हो गया है, जहां इन दिनों सबसे ज्यादा संक्रमण के मामले सामने आ रहे हैं। जनवरी 2022 में तीसरी लहर के बाद से पिछले सात दिनों में संक्रमण सबसे तेज गति से बढा है। मामलों के दोगुने होने का समय घटकर सात दिन से भी कम हो गया है। पिछली बार तीसरी लहर के दौरान एक सप्ताह में दैनिक टैली दोगुने से अधिक थी। राहत की बात है कि मौतों में वृद्धि मामुली रही है। पिछले सात दिनों में, 29 से बढ़कर 36 मौतें दर्ज की गईं। पिछले सात दिनों में नए कोरोना मामलों की संख्या दोगुनी से अधिक हो गई है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन ने बुजुर्गों और बीमार लोगों को कोविड से बचाने के लिए अतिरिक्त बूस्टर डोज की सिफारिश की है, लेकिन भारत में विशेषज्ञों का कहना है कि अभी इसकी जरूरत नहीं है। देश में केसों में बढोतरी हो रही है, पर मामले माइल्ड हैं। एक्सपर्ट्स यह भी दोहरा रहे हैं कि देश में टीकाकरण मुहिम के व्यापक दायरे और नैचुरल इम्यूनिटी की बेहतर स्थिति के कारण हालात

दायरे और नैचुरल इम्यूनिटी की बेहतर स्थिति के कारण हालात बिगड़ने का डर वैसे भी कम है। अगर किसी वजह से संक्रमण तेज होता है तो भी अस्पताल में भर्ती होने की नौबत कम ही लोगों को आएगी। कोरोना वायरस ने अपनी जो विशेषता बार-बार दिखाई है वह यह कि उसका कुछ भरोसा नहीं। वह कब किस रूप में और किन लक्षणों के साथ लौट आए, नहीं कहा जा सकता है। और, एक बार इसने पैर पसार लिए तो सारी भविष्यवाणियों को बेकार कर सकता है। लेकिन देश में लोगों की बात करें तो सब जैसे कोरोना को अतीत की चीज मान चुके हैं। बाजारों में भीड़भाड़ वाली जगहों पर भी शायद ही कोई मास्क लगाए नजर आता है, दूरी बनाए रखने की भी किसी को नहीं सूझती। स्वास्थ्य तंत्र भी रोजमर्रा की सामान्य चुनौतियों से निपटने में ही अपनी सार्थकता मान चुका है।

पुनातिया से निपटन में हा अपना सिविकता मीन पुका है।

पिछले कुछ समय से कोरोना विषाणु के संक्रमण की रफ्तार धीमी होने की

वजह से लोगों में यह धारणा बनने लगी थी कि अब खतरा टल गया

है। यही वजह रही कि अपनी ओर से संक्रमण से बचाव के लिए

अपनाए जाने वाले उपायों को लेकर लोग लापरवाही या उदासीनता

बरतने लगे, जबिक तथ्य यह है कि इस विषाणु के फैलने से रोकने

के लिए जो उपाय लागू किए गए थे, उन्हीं के बूते संक्रमण के खतरे

को कम किया जा सका था। अब अगर बचाव के उन्हीं उपायों को

लोग ताक पर रख कर अपना व्यवहार तय कर रहे हैं तो उसका

नतीजा क्या हो सकता है, इसका अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है।

अमूमन हर जगह इसकी प्रकृति ने स्वास्थ्य विशेषज्ञों के सामने एक

जटिल चुनौती पेश की है। अभी भी इसका कोई कारगर और अंतिम

इलाज नहीं खोजा जा सका है, इसलिए इससे बचाव के उपायों के

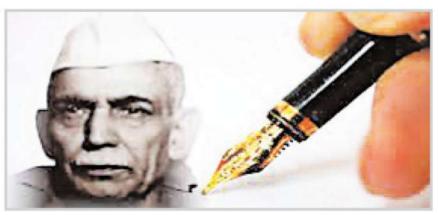
प्रति गंभीरता ही इसका सामना करने का एक अहम तरीका है।

## पत्रकारिता के विश्वविद्यालय हैं दादा

भारतीय पत्रकारिता के इतिहास में पंडित माखनलाल चतुर्वेदी जी एक दैदीप्यमान नक्षत्र हैं। एक भारतीय आत्मा के नाम से भी जाना जाता है। आजादी की लड़ाई में भारतवर्ष में अंग्रेज सरकार के अन्याय अपमान और अत्याचारों के खिलाफ पत्रकारिता विद्रोह का एक मुखर स्वर बनी। वे एक पत्रकार, संपादक, कवि और साहित्यकार भी थे। नर्मदापुरम (होशंगाबाद) के पास बावई नामक गांव में जन्मे माखनलाल जी की कर्मभूमि प्रमुख तौर पर खंडवा रही। यहां से उन्होंने प्रभा नामक एक पत्रिका का संपादन किया। बाद में 1920 में उन्होंने जबलपुर से कर्मवीर समाचार पत्र आरंभ किया। चार अप्रैल 1925 के बाद कर्मवीर खंडवा से प्रकाशित होने लगा। जब देशभर में में राष्ट्रीय आंदोलन जोर पकड रहा था तब माखनलाल जी ने अपनी लेखनी और पत्रकारिता से उसे बल दिया।

राष्ट्रीयता एवं समाज सुधार के अनेकानेक विषयों के जिस्ये उन्होंने अंग्रेजों को देश से बाहर करने की भावना को जनमानस के दिलों में स्थापित करने का कार्य किया। अपने साहित्य सृजन से भी उन्होंने आजादी की भावना को बलवती करने का सतत प्रयास किया। आजादी की चाह लिए स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को समर्पित पुष्प की अभिलाषा नामक किवता की उनकी पंक्तियां, मुझे तोड़ लेना वनमाली......आज भी रोम-रोम में वीर रस का संचरण कर देती हैं। एक संपादक और पत्रकार के रूप में मध्यप्रदेश से लेखनी के जिए राष्ट्रीय जागरण के भाव को जन जन तक पहुंचाने का कार्य किया। ब्रिटिश हुकूमत के दौर में आजादी के विचारों पर कुछ भी लिखना और प्रकाशित करना बहुत जोखिम भरा काम था।

उस दौर में सपांदकों को तरह-तरह की यातनाओं का सामना करना पड़ता था। लंबी और कठिन जेल की सजा होना किसी भी संपादक के लिए आम बात थी। तब दादा जी ने आजादी के आंदोलन के विचारों से प्रेरित एक समाचार पत्र के प्रकाशन का निर्णय लिया। अपने अखबार में आजादी और स्वराज्य के विचारों को प्रमुखता देने के उनके दूढ़ निर्णय के भावों को हम कर्मवीर के आरंभ से जुड़ी एक घटना से समझ सकते हैं। दरअसल जब मिथाइस नाम के जिला मजिस्ट्रेट ने उनसे कर्मवीर के प्रकाशन के बारे में पूछा तो उन्होंने कहा कि मैं ऐसा पत्र निकालना चाहता हूं कि ब्रिटिश शासन चलते चलते रुक जाए। यह साफ था कि वे ऐसा समाचार पत्र प्रकाशित करना चाहते थे जो आजादी की लड़ाई में अंग्रेज सरकार के खिलाफ हथियार बन सके। एक ऐसा अखबार जो भारतीयों के बीच देशप्रेम के विचारों का प्रसार कर उन्हें स्वाधीनता



माखनलाल चतुर्वेदी जी की पत्रकारिता हमें एक रोशनी की किरण जैसी दिख सकती है। कल जो पत्रकारिता के क्षेत्र में आने वाले युवा हैं उनको कर्मवीर का गंभीर अध्ययन जरूर करना चाहिए। भावी पत्रकारों को दादा का साहित्य भी पढ़ना चाहिए। पत्रकारिता के लिए कर्मवीर के अग्रलेख, खबरें और टिप्पणियां गुरुमंत्र हैं। माखनलाल चतुर्वेदी जी की पत्रकारिता में जनता के भरोसे को जीतने के सूत्र छिपे हुए हैं।

आंदोलन में भागीदार बनने के लिए प्रेरित करे। तब उस भयावह दौर में भी स्वाधीनता आंदोलन और स्वराज के विषयों को नागरिकों तक पहुंचाने माखनलाल जी ने निभय होकर पत्रकारिता की।

माखनलाल जा न निभय हाकर पत्रकारिता का।
पत्रकारिता को अपने देश की आजादी के प्रित समर्पित
करने के उनके मनोभावों को हम उनकी संपादकीय
आचार संहिता से भी समझ सकते हैं। दरअसल
दादा माखनलाल ने गांधी जी के अंहिसा के विचारों
से सहमत होते हुए भी कभी भी अपने समाचारपत्र
में क्रांतिकारियों के खिलाफ किसी तरह की खबर
या विचार प्रकाशित नहीं करने का निर्णय लिया।
अपनी संपादकीय नीति में उन्होंने तय किया था कि
क्रांतिकारी पार्टी के खिलाफ गांधीजी के वक्तव्यों
को नहीं छापा जाएगा। कर्मवीर में माखनलाल जी
देश में उस दौर के सभी बड़े विषयों को प्रमुखता
से प्रकाशित करते थे। किसानों की समस्या हो या
फिर अंग्रेज सरकार द्वारा सत्ता के अत्याचारों और
दुरूपयोग की बात हो कर्मवीर में इन विषयों पर
सतत आलेख और समाचार छपते थे। मध्यप्रदेश में

खाना खोल रही थी तब माखनलाल चतुर्वेदी जी ने अपने पत्र में इसका पुरजोर विरोध किया।

नतीजा यह हुआ कि अंग्रेजों को अपना निर्णय बदलना पड़ा। अंग्रेज सरकार की कर नीतियों को किसानों पर बहुत बुरा असर पड़ता था। दादा माखनलाल जी ने किसानों से जुड़े विषयों को हमेशा अपनी लेखनी में प्रमुखता दी। इस तरह हम देखें तो वे अपने समय में समाज के सभी समसामयिक विषयों पर पत्रकारिता कर रहे थे। आजादी के अमृतकाल में हमें जरूर स्मरण करना चाहिए कि माखनलाल चतुर्वेदी जी ने हमेशा ही अपनी पत्रकारिता और संपादन में स्वाधीनता और देशप्रेम के सच्चे भावों को सर्वोच्चता दी। स्वराज प्राप्ति के लिए उनकी पत्रकारिता के योगदान को नेताजी सुभाष चंद्र बोस के कथन से समझ सकते हैं। नेताजी ने स्वाधीनता आंदोलन में दादा माखनलाल जी के समाचार पत्र कर्मवीर की भूमिका पर कहा था कि पिछले 14 वर्षों से कर्मवीर राष्ट्रीय महासभा के झंडे को ऊंचा रखे है और हर सप्ताह देशवासियों को प्रेरणात्मक संदेशों से अनुप्रेरित करता रहा है। दादा की

संपादकीय टिप्पणी और लेखनी से भारतीय नागरिक आजादी के आंदोलन में भाग लेने के लिए प्रेरणा पाते थे। उनके शब्द लोगों के भीतर देशप्रेम के भाव को जाग्रत करते रहते थे।

एक संपादक और पत्रकार के बतौर उनके लिखे शब्दों के प्रभाव को मशहूर शायर फिराक गोरखपुरी के बयान से समझ सकते हैं। फिराक गोरखपुरी ने कहा है कि कर्मवीर में माखनलाल चतुर्वेदी के लेख लाखों देश वासियों में गुलामी के खिलाफ एक जोश पैदा कर देते थे जिसे भुलाया नहीं जा सकता। उनके लेखों को पढ़ने पर ऐसा मालूम होता था कि मानो आदि शक्ति शब्दों के रूप में उतर रही है। आज हम देखते हैं कि सुचनाओं के माध्यम बहत ताकतवर बन चुके हैं। चंद पलों में किसी भी घटना से जुड़े हुई सूचनाएं विश्वभर में पहुंच जाती हैं। डिजिटलीकरण और तकनीकों ने पत्रकारिता को गति तो दी है लेकिन विश्वसनीयता के पैमाने पर पत्रकारिता की साख पर आज कई सवाल भी उठते हैं। ऐसे कठिन दौर में दादा माखनलाल जी की पत्रकारिता हमारे संपूर्ण समाज के लिए बहुत प्रासंगिक हो जाती है। उनकी लेखनी पत्रकारों और संपादकों का पाथेय बनी दिखती है।

आज एक कड़वी वास्तविकता है कि मीडिया की खबरों पर लोग अक्सर जल्दी भरोसा नहीं करते। टेलिविजन, डिजिटल और प्रिंट हर तरह के मीडिया के साथ बहुत हद तक ऐसी स्थिति है। उनकी पत्रकारिता की साख बहुत कमजोर हो चुकी है। ऐसे में माखनलाल की कर्मवीर के संपादन की आचार संहिता आज भी अनुकरणीय है। आज खबरों और विमर्श को मीडिया में जिस तरह की सनसनी के साथ दिखाया जाता है वह एक खतरनाक ट्रेंड है। दादा ने अपने कोड ऑफ कंडक्ट में तय किया था कि कभी भी वह सनसनी पूर्ण खबरें नहीं जा छापेंगे। इलेक्टानिक माध्यम यह सीख सकते हैं कि बिना सनसनी के भी पत्रकारिता की जा सकती है। इन माध्यमों को जरूर सोचना चाहिए कि आखिर क्या कारण है कि लोगों ने टीवी की खबरों से बहत हद तक दूरी बना ली है। संभवतः टीवी के सनसनीपूर्ण रवैये से आजिज आकर लोगों ने दूसरी ओर रुख कर लिया है। डिजिटल माध्यमों के साथ भी यह हो रहा है। पत्रकारिता के नाम पर आप सिर्फ सनसनी फैलाने का काम नहीं कर सकते। मीडिया को इसे गंभीरता से लेना चाहिए। मीडिया पर लोगों का भरोसा लगातार कम हो रहा है। इसलिए मीडिया के

लिए चुनौती है कि मीडिया के प्रति डगमगाते

विश्वास को कैसे कायम खा जा सकता है। **ा संदीप भट्ट**(वरिष्ठ पत्रकार)

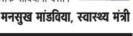




देश में अभी अतिरिक्त बूस्टर डोज या चौथी डोज की जरूरत नहीं है। हालांकि, बुजुर्गों और दूसरी बीमारियों से पीड़ित लोगों को प्रिकॉशन डोज लगवानी चाहिए।

एनके अरोड़ा, कोविड कार्यकारी समूह के अध्यक्ष

स्वाभाविक ही कुछ वक्त की दिखने वाली राहत के बाद अब एक बार फिर विषाणु के संक्रमण की ताजा रफ्तार ने चिंता बढ़ा दी है। मगर लोग अभी सिर्फ सावधानी बरतें।





#### सत्यार्थ

रतौना नामक जगह पर ब्रिटिश सरकार एक कसाई

एक बार एक महात्माजी अपने कुछ शिष्यों के साथ जंगल में आश्रम बनाकर रहते थे, एक दिन कहीं से एक बिल्ली का बच्चा रास्ता भटककर आश्रम में आ गया। महात्माजी ने उस भूखे प्यासे बिल्ली के बच्चे को दूध-रोटी खिलाया। वह बच्चा वहीं आश्रम में रहकर पलने लगा। लेकिन उसके आने के बाद महात्माजी को एक समस्या उत्पन्न हो गई कि जब वे सायं ध्यान में बैठते तो वह कभी उनकी गोद

में चढ़ जाता, कभी कंधे या सिर पर बैठ जाता। तो महात्माजी ने अपने एक शिष्य को बुलाकर कहा देखो मैं जब सायं ध्यान पर बैठूं, उससे पूर्व तुम इस बच्चे



#### को दूर एक पेड़ से बांध आया करो। अब तो यह नियम हो गया, महात्माजी के ध्यान पर बैठने से पूर्व वह बिल्ली

का दूर एक पड़ स बाध आया करा।
अब तो यह नियम हो गया, महात्माजी
के ध्यान पर बैठने से पूर्व वह बिल्ली
का बच्चा पेड़ से बांधा जाने लगा। एक
दिन महात्माजी की मृत्यु हो गई तो
उनका एक प्रिय काबिल शिष्य उनकी
गद्दी पर बैठा। वह भी जब ध्यान पर
बैठता तो उससे पूर्व बिल्ली का बच्चा
पेड़ पर बांधा जाता। फिर एक दिन तो
अनर्थ हो गया, बिल्ली ही खत्म हो गई।
सारे शिष्यों की मीटिंग हुई, सबने विचार

विमर्श किया कि बड़े महात्माजी जब तक बिल्ली पेड़ से न बांधी जाए, तब तक ध्यान पर नहीं बैठते थे। अतः पास के गांवों से कहीं से भी एक बिल्ली लाई जाए। आखिरकार बिल्ली मिली, जिसे पेड़ पर बांधने के बाद महात्माजी ध्यान पर बैठे। विश्वास मानें, उसके बाद जाने कितनी बिल्लियां मर चुकी और न जाने कितने महात्माजी मर चुके। लेकिन आज भी जब तक पेड़ पर बिल्ली न बांधी जाए, तब तक महात्माजी ध्यान पर नहीं बैठते हैं। कभी उनसे पूछो तो कहते हैं यह तो परंपरा है। हमारे पुराने सारे गुरुजी करते रहे, वे सब गलत तो नहीं हो सकते। कुछ भी हो जाए हम अपनी परंपरा नहीं छोड़ सकते। यह तो हुई महात्माजी और उनके शिष्यों की बात। पर कहीं न कहीं हम सबने भी एक नहीं; ऐसी बिल्लियां पाल रखी हैं। कभी गौर किया है इन बिल्लियों पर? सैकड़ों वर्षों से हम सब ऐसे ही और कुछ अनजाने तथा कुछ चंद स्वार्थी तत्वों द्वारा निर्मित परंपराओं के जाल में जकड़े हुए हैं।





#### एक नजर

राजधानी सहित चार शहरों में चलेंगी पाँच सौ नई बसें

## जयपुर को मिलेगी तीन सौ नई लो फ्लोर बसों की सौगात



#### हिलव्यु समाचार

जयपुर। जयपुर शहर की लाइफ लाइन माने जाने वाली लो-फ्लोर बस सेवा की 100 बसें बंद होने के बाद बिगड़ी व्यवस्था जल्द पटरी पर लौटेगी। जेसीटीएल के बाड़े में जल्द 300 नई बसें आएगी। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बसों को सर्विस मॉडल पर लेने के प्रस्ताव को मंज्री दी है। इसके तहत जयपुर, जोधपुर, अजमेर और कोटा में 500 नई बसों का संचालन शुरू

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश के नगरीय क्षेत्रों में परिवहन सेवा को मजबूत करने के लिए कदम उठाते हुए बसों के संचालन के लिए 132.24 करोड रुपए के वित्तीय प्रावधान को भी स्वीकृति दी है। यह राशि राजस्थान परिवहन आधारभूत विकास निधि से उपलब्ध करवाई जाएगी। इसमें जयपुर सिटी टांसपोर्ट सर्विस लिमिटेड सहित जोधपुर, कोटा और अजमेर के लिए बसों की खरीद और संचालन किया जाएगा।

#### राजस्थान सिटी ट्रांसपोर्ट कॉपीरेशन का होगा गठन

राज्य सरकार द्वारा बजट घोषणा के अनुसार जयपुर, जोधपुर, अजमेर एवं कोटा सहित अन्य शहरी क्षेत्रों के लिए वर्तमान में गठित सिटी ट्रांसपोर्ट कम्पनियों को मिलाते हुए राजस्थान सिटी ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन का गठन भी किया जा रहा है। नई बसों की खरीद संचालन एवं अनुरक्षण संबंधित संवेदक द्वारा किया जाएगा। इसके लिए प्रति किलोमीटर व्यवहार्यता अंतर वित्त पोषण (वीजीएफ) राशि राजस्थान सिटी ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन द्वारा दी जाएगी। बसों के संचालन से आय भी कॉर्पोरेशन द्वारा ही संग्रहित होगी।

#### जयपुर में मात्र 200 लो फ्लोर बसों का संचालन

बीते दिनों जेसीटीएसएल की बोर्ड बैठक में एक साल में 1 हजार बसें खरीदने का प्रस्ताव पारित किया था। इसमें से मार्च तक 100 इलेक्ट्रिक बसें खरीदी जानी थीं, लेकिन मंजूरी नहीं मिलने के कारण फाइल आगे नहीं बढ़ पाई। ऐसे में नई बसों का संचालन नहीं हो सका। दरअसल जेसीटीएल की 100 कंडम बसों को मार्च 2013 में खरीदा गया था। दिसंबर 2019 के समय पब्लिक ट्रांसपोर्ट में 408 बसें संचालित थीं, लेकिन बीते चार वर्षो में नई बसों की खरीद नहीं होने और कंडम बसों के बाहर होने के कारण लगातार बसों की संख्या कम हो रही है। 31 मार्च तक जयपर शहर में 300 बसों का संचालन हो रहा था, लेकिन 1 अप्रैल से मात्र 200 बसों का ही संचालन हो रहा है। इसके कारण 6 रूटों पर बसों से बसें बंद की, वहीं 24 रूटों पर बसों को कम कर संचालन का समय बढाया गया है।

#### आईएएस अनु प्रेरणा सिंह कुंतल एपीओ



जयपुर। कार्मिक विभाग ने आदेश जारी कर आईएएस अधिकारी अनु प्रेरणा सिंह कुंतल को एपीओ कर दिया है। यह सामाजिक न्याय अधिकारिता विभाग की सचिव और बाल अधिकारिता विभाग के आयुक्त पद पर कार्यरत थीं। कार्मिक विभाग के संयुक्त सचिव ने बुधवार को इस संबंध में आदेश जारी किए हैं। अनु प्रेरणा के खिलाफ लंबे समय से सरकार को शिकायतें मिल रही थी। हालांकि इन्हें एपीओ करने के बाद पद पर किसी अन्य अधिकारी को अभी जिम्मेदारी नहीं

#### किशनपोल विधायक अमीन कागज़ी का यूडीएच मंत्री पर आरोप, बोले...

### मंत्री को जयपुर से सरोकार नहीं, कोटा से ही बना लेंगे सरकार!

हिलव्य समाचार

हिलव्यू समाचार

जयपुर। कांग्रेस सरकार के मंत्री और विधायकों की एक दूसरे के खिलाफ बयानबाजी थम नहीं रही है। प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा की चेतावनी के एक दिन बाद ही कांग्रेस विधायक अमीन कागजी ने यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल पर भेदभाव का आरोप लगाते हुए कोटा से ही सरकार बनाने की बात कही।

कागजी ने जयपुर में यूडीएच अधिकारियों की कमी और कामकाज नहीं होने की बात कहते हुए कहा कि धारीवाल को सिर्फ

कोटा की चिंता है। जयपुर के विकास से उनका कोई सरोकार नहीं है, वो भले ही एक नंबर के मंत्री होंगे। राजस्थान में काम कर रहे होंगे, लेकिन हमें पता नहीं कि राजस्थान में उन्होंने कहां काम किया है, जहां तक जयपुर की बात है तो यहां उन्होंने कोई काम नहीं किया है। कागजी यहीं नहीं रुके, उन्होंने आगे सवाल उठाते हुए कहा कि 10 महीने से एक्सईएन की मांग करने के बाद मंत्री स्पष्ट कहते हैं कि वो नहीं देंगे। सभी को कोटा ले जाओ, वहीं से सरकार भी बन जाएगी।



#### निगम में एक्सईएन-जेईएन नहीं

कागजी ने कहा कि निगम में न तो एक्सईएन हैं और ना ही जेईएन। बीते 10 महीने में यूडीएच मंत्री को 10 चिट्रियां लिख चुके हैं। जयपुर में चार-चार सीट मिली, लेकिन निगम में एक्सईएन-जेईएन नहीं हैं। सरकार योजना बनाने के लिए पैसा देती है, लेकिन बिना एक्सईएन के योजना कैसे बनेगी? उन्होंने कहा कि सीवरेज के लिए 50 करोड़ मुख्यमंत्री से मंजूर कराकर आए। डेढ़ साल पहले मुख्यमंत्री ने बजट दे भी दिया, लेकिन इसका मंत्रीजी टेंडर नहीं करा पाए। उन्होंने आरोप लगाया कि धारीवाल भेदभाव करते हैं, लोगों का घोर अपमान करते हैं। कागजी ने धारीवाल की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि वो जयपुर के प्रभारी मंत्री हैं, लेकिन एक मीटिंग नहीं ली। यहां निगम में कांग्रेस का बोर्ड बना दिया, चार-चार विधायक हैं, मेयर हैं, लेकिन एक्सईएन जेईएन नहीं देते। इसलिए अब मुख्यमंत्री से आग्रह करेंगे।

रंधावा के नेतृत्व पर उठ रहे सवाल: एक दूसरे के खिलाफ बयानबाजी करने वालों को सख्त निर्देश देते हुएँ रंधावा ने कहा था कि जिन नेताओं ने बयानबाजी की है, उन को बुलाकर मैं बात करूंगा। अगर फिर भी अगर कोई बयानबाजी करेगा तो एक्शन तो करना ही पड़ेगा, लेकिन अगले ही दिन सरकार के खिलाफ बयानबाजी करने पर रंधावा के नेतृत्व पर भी सवाल उठ रहे हैं।

#### आरटीएच से राजस्थानियों को मिला इलाज का अधिकार

## पैसा नहीं तो मिलेगा इमरजेंसी में इलाज, सरकार देगी ख़र्चा

जयपुर। प्रदेश के निजी अस्पतालों में डॉक्टर्स की हड़ताल खत्म होने के बाद बुधवार सें फिर मरीजों को इलाज मिलना शुरू हो गया है। ऐसे में 18 दिनों से इलाज का इंतजार कर रहे मरीजों को बड़ी राहत मिली है। लगभग सभी अस्पतालों में चिकित्सक समझौते से संतुष्ट होकर काम पर लौट आए हैं। डॉक्टर्स के कार्य बहिष्कार से वापस लौटने के बाद अब लंबे समय से अपने प्लान ऑपरेशन, सर्जरी का इंतजार कर रहे पेशेंट्स को अब उनके दर्द से निजात मिल सकेगी। जयपुर के सभी अस्पतालों की ओपीडी में मरीज फिर से अपने चिकित्सकों से परामर्श लेने के लिए पहुंचे। सरकार और डॉक्टर्स के बीच जारी गतिरोध के खत्म होने के बाद से देशभर में राइट टू हेल्थ बिल लागू करने वाला राजस्थान भारत का पहला राज्य बन गया है। बिल लागू होने से मरीजों को बिना पैसे भी इमरजेंसी में इलाज की सुविधा मिल सकेगी। इमरजेंसी में इलाज देने के बाद अगर मरीज अस्पताल को भुगतान नहीं करता है तो इस इलाज का पैसा सरकार देगी। वहीं, परिवहन का पुर्नभरण भी किया जाएगा।



आरटीएच से प्रदेश के सभी नागरिकों को यह अधिकार मिलेगा कि बिल के दायरे में आने वाले अस्पतालों में इमरजेंसी में इलाज लेने से पहले उन्हें भुगतान करने की जरूरत नहीं होगी। एक्सीडेंट में घायल को निःशुल्क ट्रांसपोर्ट, इलाज, बीमा का अधिकार मिलेगा और परिवहन का अधिकार मिलेगा।

#### शिकायत का अधिकार

राज्य स्तर पर दो तरह के प्राधिकरण गठित किए गए हैं, जिनमें स्टेट हेल्थ अथोरिटी फॉर लॉजिस्टिक ग्रिवान्सेज जो आमजन की समस्या का निस्तारण करेगी। उपचार और इस कानून के तहत तकनीकी सलाह के लिए दूसरी अथोरिटी स्टेट हैल्थ अथोरिटी फॉर ट्रीटमेंट प्रोटोकाल का गठन किया गया है। इस ऑथिरिटी में केवल एक सदस्य को छोड़कर विशेषज्ञ चिकित्सक ही शामिल हैं। डिस्ट्रिक्ट हैल्थ अथोरिटी में जिला कलक्टर सहित चिकित्सक सम्मिलित हैं। किसी व्यक्ति को इलाज नहीं मिलने पर या अन्य शिकायत के लिए उसे 15 दिन में चिकित्सा संस्थान के प्रभारी को शिकायत करनी होगी।

#### क्राइम ब्रांच ने गैंग पकड़ी, 36 एटीएम कार्ड मिले

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। जयपुर में पुलिस ने 20 प्रतिशत कमीशन लेकर साइबर ठगों को एटीएम से पैसे निकालकर देने वाली गैंग पकड़ी है। पकड़े गए बदमाश साइबर ठगी करने वाली गैंग के बदमाशों के लिए खातों में आए ठगी के पैसों को एटीएम से विड्रो कर देते थे।

पुलिस ने आरोपियों के से 11.73 लाख रुपए नकद, 36 एटीएम कार्ड, 3 पासबुक, एक थार जीप व एक मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस मुख्यालय की क्राइम ब्रांच ने मंगलवार आधी रात बाद करीब 1 बजे जयपुर के जवाहर सर्किल थाने से इन बदमाशों को दबोचा है। गिरफ्तार आरोपी अमर सिंह अलवर कठूमर, महेन्द्र सिंह भरतपुर कामां व राम लखन भरतपुर के नगर के रहने वाले हैं। एडीजी क्राइम दिनेश एमएन ने बताया कि बदमाश रोजाना रात को अलग-अलग जगह पर बने एटीएम बुथ से रुपए निकालकर इन्हें इक्कठा करते थे।

#### डमरजेंसी की परिभाषा

सर्प दंश, जानवर के काटने के कारण हुई इमरजेंसी को तय नियमों से बिल में शामिल किया गया है। एक्सीडेंटल इमरजेंसी की परिभाषा किसी व्यक्ति की मौत होने या चोट लगने के जोखिम से है। इसमें सड़क, रेल, जल या वायु दुर्घटना शामिल है। इमरजेंसी केयर में किसी दुर्घटना, आपराधिक घटना में घायल मरीज को फर्स्ट ऐड सलाह और सहायता देना शामिल है। प्रसृति केयर में गर्भावस्था, प्रेगनेंसी की इमरजेंसी में महिलाओं को इलाज का अधिकार दिया गया हैं। किसी घायल व्यक्ति के उपचार के लिए रैफर और परिवहन भी इसमें शामिल है।

#### अब तक हाउसिंग बोर्ड के 100 प्रोजेक्ट पंजीकृत

#### आवासन मंडल बना देश की सबसे बड़ी रेरा रजिस्टर्ड संस्था

हिलव्यू समाचार **जयपुर**। राजस्थान

परियोजना मंडल में 100वीं रियल रेगुलेटरी अथॉरिटी में पंजीकृत हुई। आवासन मंडल आयुक्त पवन अरोडा ने रेरा में 100वीं परियोजना शामिल होने पर मंडल टीम को बधाई देकर कार्मिकों का उत्साहवर्धन किया। मंडल को रेरा के तीन डिजिट में लाने वाली 100वीं परियोजना जोधपुर की चौपासनी में उद्यान अपार्टमेंट रही। उन्होंने कहा कि मंडल द्वारा चलाए

आवासन



जा रही सभी परियोजना में रेरा की दिन बढता जाएगा। उन्होंने बताया पालना सुनिश्चित करने के लिए शाखा का गठन किया गया गया। और मंडल शत प्रतिशत रेरा की आमजन के विश्वास को हम रेरा के साथ निरंतर मजबूत कर रहे हैं। अरोड़ा ने बताया मंडल के 100 प्रोजक्ट अब तक रेरा में पंजीकृत हो चुके हैं। यह आंकड़ा दिन-ब-

कि रेरा में 100 प्रोजेक्ट पंजीकृत होने पर राजस्थान आवासन मंडल देश की सबसे बड़ी रेरा पालना कर रहा है। उन्होंने कहा कि रजिस्टर्ड संस्था बन गई। उन्होंने कहा कि स्वायत्त शासन मंत्री शांति धारीवाल और रेरा चेयरमैन एनसी गोयल के नेतृत्व में मंडल के सभी प्रोजेक्टों में रेरा की पालना सुनिश्चित करवाई जा रही है।

### 🕵 राजस्थान आवासन मण्डल

हमारा प्रयास - सबको आवास

उत्साहवर्छक रूझान को देखते हुए 12 नवीन आवासीय योजनाओं में आवेदन की तिथि अब

20 अप्रैल, 2023 तक

शेष 13 योजनाओं में कई गुणा आवेदन करने के लिए आवेदकों का धन्यवाद!

#### <u>जयपुर में पहली बार 3/4BHK लक्ज़री फ्लैट्स</u>

(गेटेड स्कीम, लैंडस्केपिंग, पर्याप्त सुरक्षा, 24 घंटे बिजली-पानी, क्लब हाउस, स्पोर्ट्स फैसिलिटी, 200Ft. राणा सांगा मार्ग पर)

प्रताप नगर, जयपुर

माही अपार्टमेन्ट, (2B+S+13) सेक्टर-23, प्रताप नगर, (रेरा नं. RAJ/P/2023/2390)

325 आवास एम.एन.आई.टी. फैकल्टी योजना, 124

ग्रीनवुड होराइजन, सेक्टर-28, प्रताप नगर,

(रेरा नं. RAJ/P/2023/2410) ग्रीनवुड आईकॉनिक, (B+S+14) सेक्टर-28, प्रताप नगर, (रेरा नं. RAJ/P/2023/2403)

56

504

आवास

#### किशनगढ़ (अजमेर) खोडा गणेश फेज-चतुर्थ, किशनगढ़

(रेरा नं. RAJ/P/2023/2405)

बड़ी सादड़ी (चित्तौड़गढ़)

आवासीय योजना, बड़ी सादड़ी

आवासीय योजना सेक्टर-04,

धौलपुर

(रेरा नं. RAJ/P/2023/2412)

सेक्टर-26, प्रताप नगर,

हनुमानगढ़ आवासीय योजना, हनुमानगढ़, डी.टी.ओ. 504 **ऑफिस के पास** (रेरा नं. RAJ/P/2023/2353)

175 आवासीय योजना, गढ़ी थोरियान आवास

ब्यावर (अजमेर)

**57** आवास

भिण्डर (उदयपुर)

**22** आवास आवासीय योजना, अटल नगर

परतापुर (बांसवाड़ा) आवासीय योजना, परतापुर

धौलपुर

आवासीय योजना सेक्टर-05, बाड़ी रोड (रेरा नं. RAJ/P/2023/2362 and RAJ/P/2023/2354) आवास

हनुमानगढ़, चित्तौड़गढ़ और बांसवाड़ा की योजनाएं **विशिष्ट पंजीकरण (SRS)** श्रेणी में हैं। **हेल्पलाइन नं.** कार्यालय समय में: 0141-2744688, 2740009 कार्यालय समय उपरान्त: 9461054291/92/319 एवं 9460254319,

**नोट:** जयपुर, किशनगढ़, ब्यावर, धौलपुर एवं उदयपुर की योजनाएं **स्ववित्त पोषित (SFS)** आवासीय योजनाओं के अंतर्गत तथा

शांतनु वार्ष्णेय **(९९८३१३१६६६),** पवन सोनी **(८८५२०००७७)** या समन्वयक अधिकारी श्री भारत भूषण जैन **(९८२८३६३६१५)** से सम्पर्क करे प्रताप नगर में हेल्प डेस्क की लोकेशन के लिए Scan करें







57 आवास

मौके पर हेल्प डेस्क/ बैंक काउंटर उपलब्ध ग्रीनवुड आईकॉनिक अधिक जानकारी एवं ऑनलाइन आवेदन के लिए RHB की वेबसाइट

#### डॉक्टर्स ने सीएम का जताया आभार

## ब्यूरोक्रेट्स ने सरकार को किया गुमराह

जयपुर। राइट टू हेल्थ बिल को लेकर सरकार व चिकित्सक संगठनों के बीच हुई सहमित के बाद डॉक्टर्स ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का आभार जताया हैं। लेकिन चिकित्सकों ने ब्यूरोक्रेट्स पर सरकार को गुमराह करने के आरोप

गत बुधवार को इंडियन मेडिकल एसोसिएशन राजस्थान की ओर से अशोक क्लब में बिल को लेकर चर्चा की गई। इस दौरान डॉ. संजीव गुप्ता ने आरोप लगाते हुए कहा कि सीएम ने हमारे साथ पहले ही समझौता कर चिकित्सकों की सारी मांगे मान ली थी, लेकिन ब्यूरोक्रेट्स ने सरकार को गुमराह किया। चर्चा के दौरान आईएमए के अध्यक्ष डा. तरुण ओझा, डॉ.सर्वेश जोशी, जेएमए के सचिव डॉ.अनुराग शर्मा मौजूद रहे। डॉ.सर्वेश ने कहा कि यह बिल लोकतांत्रिक नहीं हैं। वहीं डा. तरुण ने कहा कि बिल से कोई चिकित्सा वर्ग



ली। बिल में संशोधन से 98%अस्पताल बाहर हो गए हैं।

पूरी होगी, बल्कि निजी अस्पतालों को परेशानी होगी।





www.urban.rajasthan.gov.in/RHB देखें।



## कोटा-बूंदी में खेल महोत्सव 1 मई से, प्रतिभाओं को मिलेगा मंच



हिलव्यू समाचार

कोटा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की पहल पर उनके संसदीय क्षेत्र कोटा-बूंदी में 1 मई से खेल महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। संसदीय क्षेत्र स्तर के इस पहले और अनुठे खेल आयोजन के पोस्टर का बुधवार को दिल्ली में स्पीकर बिरला, केंद्रीय खेल एवं युवा मामले मंत्री अनुराग ठाकुर तथा राज्यसभा सांसद, एथलीट और भारतीय ओलम्पिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा ने विमोचन किया। कोटा-बूंदी खेल महोत्सव के तहत कबड्डी, टेनिस बॉल क्रिकेट और रस्साकशी प्रतियोगिता

#### टेनिस बॉल क्रिकेट की हर टीम में 9 खिलाडी

खेल महोत्सव की तीन स्पर्धाओं के लिए नियम तय किए गए हैं। इसके तहत क्रिकेट के मुकाबले टेनिस बॉल से खेले जाएंगे। प्रत्येक टीम में 9 प्रमुख खिलाड़ी तथा 5 अतिरिक्त खिलाड़ी होंगे। इसी प्रकार से कबड्डी की टीमों में 12-12 खिलाड़ी भी शामिल रहेंगे।

व पुरुषों की अलग-अलग टीमें बनाई जाएंगी। महोत्सव के तहत प्रथम चरण के मुकाबले ग्राम पंचायत स्तर के होंगे। यहां विजयी टीमें विधानसभा और फिर लोकसभा क्षेत्र स्तर की स्पर्धाओं में शामिल होंगी। विजयी होने वाली टीमों को पुरस्कृत भी किया जाएगा। आयोजन से जुड़े लोगों

का कहना है कि स्पीकर बिरला का सदैव से ही प्रयास रहा है कि सम्पूर्ण कोटा-बूंदी संसदीय क्षेत्र विशेष तौर पर ग्रामीण क्षेत्रों किया जाए। उसके लिए एक ओर जहां उनके प्रयासों से कोटा-बूंदी के ग्रामीण क्षेत्रों में स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स से लेकर खेल

मैदानों का निर्माण हो रहा है, वहीं अब खेल प्रतिभाओं को सामने लाने के लिए स्पीकर बिरला की पहल पर गांव से लेकर संसदीय क्षेत्र तक की खेल स्पर्धाओं का आयोजन किया जा रहा है। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला शुक्रवार को एक दिवसीय दौरे पर जयपुर आएंगे। लोक सभा सिचवालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार स्पीकर बिरला दोपहर 1.45 बजे हवाई मार्ग से जयपुर पहुचेंगे। वे दोपहर 2 से 3 बजे तक सांगानेर स्थित श्रीराम कॉलोनी में अखिल भारतीय रामजन मंडल की ओर से आयोजित विशाल धर्म सम्मेलन एवं

#### उदयपुर में रेप के बाद मासूम की हत्या का मामला

## सोशल मीडिया से सडक तक आवाज़ बुलंद, दरिंदे को फाँसी देने की माँग



उदयपुर। जिले में आठ वर्षीय मासूम के साथ रेप के बाद उसके शव के दस टुकड़े करने के मामले को लेकर अब आमजन में भी उबाल नजर आ रहा है। सोशल मीडिया से लेकर सड़क तक लोग दरिंदे को फांसी देने की मांग कर रहे हैं। बच्ची को न्याय दिलाने के लिए विरोध प्रदर्शनों का दौर भी शुरू हो चुका है। जब से लोगों को इस मामले की जानकारी मिली है उसके बाद से दलित समाज ही नहीं अन्य समाजों के लोग भी इस घटना के विरोध में मुखर हो रहे हैं। बुधवार को भील समाज ने जिला कलेक्ट्रेट के सामने प्रदर्शन करते हुए मासूम के हत्यारे को फांसी की सजा देने

की मांग की है। भील युवा सेना मेवाड़ और भील समाज ने जिला कलेक्ट्रेट के बाहर विरोध-प्रदर्शन कर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन में भारी दाताद में लोग उमड़े। इससे कलेक्ट्रेट मार्ग जाम हो गया। वहीं वाहनों का आवागमन तक रुक गया। भील समाज का कहना है कि पूरे राजस्थान में भील समाज पर अत्याचार हो रहे हैं। बच्चों के साथ रेप के मामले बढ रहे हैं, लेकिन सरकार इस मामले में कोई एक्शन नहीं ले रही। जिससे भी समाज में खासी नाराजगी है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर सरकार जल्द से जल्द इस पर कार्रवाई नहीं करती है तो प्रदेश में भील समाज बड़ा आंदोलन करेगा।

#### बच्ची के माता-पिता सदमे में

इस वारदाता के बाद से बच्ची के माता-पिता सदमे में हैं। वारदात के ही घर में चूल्हा नहीं जला है। उनकी आंखों के आंसू रुक नहीं रहे हैं। बच्ची जिसको भैया कहती थी उसी ने इस कृत्य को अंजाम दिया। इससे घरवाले ही नहीं बल्कि आस-पड़ौस के लोग भी हैरान है। आरोपी ने बच्ची को टॉफी का लालच देकर उसे घर बुलाया और मानवता को शर्मसार करने वाली वारदात को अंजाम दिया। बच्ची के माता-पिता आरोपी को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने की मांग कर रहे हैं।

#### वकील भी नहीं करेंगे आरोपी की पैरवी

मासूम की हत्या के मामले में एक ओर जहां आमजन में आक्रोश दिख रहा है वहीं अब वकीलों ने भी आरोपी की पैरवी करने से इनकार कर दिया है। उदयपुर बार एसोसिएशन के वकीलों ने इस जघन्य अपराध को लेकर अपना आक्रोश जताया है। उन्होंने ऐलान किया है कि कोई भी अधिवक्ता बच्ची के आरोपी का केस हाथ में नहीं लेगा। कोई भी कोर्ट में उसकी तरफ से पैरवी नहीं करेगा। इस हत्याकांड ने सिर्फ समाज को ही नहीं पूरी मानवता को शर्मसार

## पत्नी और नाती भी हमले में गंभीर घायल पिता ने शादीशुदा दो बेटियों की कुल्हाड़ी से गला काट की हत्या

**नागौर।** जिले में एक पिता की ओर से अपनी ही शादीशुदा दो बेटियों की हत्या करने का सनसनीखेज

मामला सामने आया है।

पिता ने सोमवार देर रात को दोनों बेटियों पर कुल्हाड़ी से हमला करते हुए गला काटकर उनको हमेशा के लिए मौत की नींद सुला दिया। इतना ही नहीं आरोपी मनाराम ने अपनी पत्नी और नाती पर भी हमला किया, जिसमें वे गंभीर घायल हो गए। दोनों को इलाज के लिए अजमेर रेफर किया गया है। मामला परबतसर के दिलढाणी का है।

सुत्रों से मिली जानकारी के अनुसार 57 वर्षीय आरोपी मनाराम मानसिक रूप से बीमार है। उसकी दो बेटियां 26 वर्षीय मीरा और 20 वर्षीय रेखा दोनों ही विवाहित थीं। छोटी बेटी रेखा मंगलवार को अपने ससुराल जाने वाली थी। परिवार वाले इसकी तैयारी में जुटे हुए थे। इसके लिए बड़ी बहन मीरा भी



#### सोए हुए परिवार पर किया हमला

सोमवार देर रात करीब 2 बजे पिता मनाराम नींद से जागा और घर में रखी कुल्हाड़ी से नींद में सोए हुए परिवार के लोगों पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। उसने अपनी दोनों बेटियों मीरा और रेखा के गले पर कुल्हाड़ी से वार किया, जिससे उन दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। उसने अपनी पत्नी और 7 साल के नाती को भी नहीं छोड़ा। हमले में वे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। इस दौरान घर में मची चीख-पुकार सुनकर मोहल्ले के लोग घर में पहुंचे तो वहां का मंजर देखकर उनके होश उड़ गए।

अपने 7 साल के बेटे प्रिंस के साथ ससुराल से पीहर आई थी। दोनों बहनों और मां ने रात को घर के आंगन में बैठकर मेहंदी लगाई थी और बाद में सभी लोग सो गए थे। पुलिस का कहना है कि

बेटियों की हत्या के आरोपी पिता की मानसिक हालत ठीक नहीं है। रिश्तेदारों से जानकारी मिली है कि कछ साल पहले खान में काम करते हुए वह गिर गया था। इससे चलते उसके सिर में गंभीर चोट आई थी।

दी। इसके बाद परबतसर पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को हिरासत में लिया। पुलिस ने मौका-मुआयना कर घायलों को अस्पताल में भर्ती करवाया। मंगलवार को शवों का पोस्टमार्टम कराया गया वहीं आरोपी की पत्नी और नाती की हालत गंभीर होने पर उन्हें अजमेर रेफर किया गया है।

पड़ोसियों ने तुरंत पुलिस को सूचना

आरोपी को पुलिस ने

हिरासत में लिया

उसका इलाज हुआ, लेकिन उसकी मानसिक हालत खराब हो गई। इसी खराब मानसिक हालात के चलते उसने अपने परिवार पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया और अपनी दोनों बेटियों की हत्या कर दी।

#### महंगे खनिज बनाएंगे देश में राजस्थान की विशेष पहचान

### प्रदेश में अब गोल्ड, यूरेनियम व प्रेसियस जैसे खनिजों का बढ़ेगा उत्पादन: ACS

जयपुर। गोल्ड, प्रेसियस व सेमी प्रेसियस स्टोन्स, यूरेनियम, रेयर अर्थ एलिमेंट्स, पोटाश आदि के एक्सप्लोरेशन और खनन कार्य को गति देकर अब राजस्थान की देश-दुनिया में खास पहचान बनाई जाएगी। इसमें गोल्ड के साथ ही एमराल्ड, रुबी, कोरंडम, गारनेट, एमेथिस्ट सहित बहुमूल्य खनिजों के एक्सप्लोरेशन कार्य को गति दी जाएगी। वहीं टोंक, अजमेर, जयपुर, भीलवाड़ा, उदयपुर, दौसा आदि जिलों में इन खनिजों की संभावाना को देखते



हुए एक्सप्लोरेशन कार्य को आगे बढाया जाएगा। ये बातें अतिरिक्त मुख्य सचिव माइंस, पेट्रोलियम

एवं पीएचईडी डॉ. सुबोध अग्रवाल ने कही। अग्रवाल मंगलवार को

जियोलोजी विंग के अधिकारियों के मासिक वर्चुअल सेशन के माध्यम से खनिज क्षेत्र में राजस्थान सहित देश-दुनिया में हो रहे एक्सप्लोरेशन

माइंस विभाग, जीएसआई, एमईसीएल सहित संस्थाओं द्वारा प्रदेश में किए जा रहे एक्सप्लोरेशन कार्य में प्रदेश में गोल्ड के साथ ही आरईई, गारनेट, एमराल्ड, पोटाष, यूरेनियम आदि के भण्डार होने की संभावना जताई जा रही है। इसे देखते हुए अब एक्सप्लोरेशन कार्य का और अधिक गति दी जाएगी।

#### के संबंध में संवाद किया। विभिन्न

#### जनविरोधी नीतियों के ख़िलाफ़ भाजपा सड़क पर

# प्रदेशाध्यक्ष जोशी और नेता प्रतिपक्ष राठौड़ ने साथ निकाली आक्रोश रैली

हिलव्यू समाचार

जयपुर। कांग्रेस सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ भाजपा सड़क पर उतर आई हैं। पार्टी प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी और नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ के नेतृत्व में मंगलवार को भीलवाड़ा में जनाक्रोश रैली निकाली। इसमें सरकार की नीतियों के खिलाफ विरोध- प्रदर्शन करते हुए कलेक्ट्रेट का घेराव किया गया। इस दौरान रैली में शामिल नेताओं के साथ सभी कार्यकर्ताओं ने जबरन कलेक्ट्रेट में घुसने का प्रयास किया तो पुलिस को सख्ती भी दिखानी पड़ी। विरोध प्रदर्शन के दौरान

हुए प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि कांग्रेस राज में ने किसानों, युवाओं के साथ धोखा हुआ है। कन्हैयालाल हत्याकांड मामले में एक निर्दोष व्यक्ति की दिन-दहाड़े हत्या कर दी गई। उन्होंने कहा कि आतंकवाद का खात्मा करना मोदी सरकार की प्राथमिकता रही हैं। वही केंद्र सरकार देश में हमला करने वाले आतंकवादियों का उनके घर में घुसकर सफाया करने में जुटी हुई हैं, लेकिन जयपुर बम ब्लास्ट मामले में प्रदेश सरकार की लचर पैरवी से आरोपी बरी



जोशी ने भी साधा निशाना

प्रदर्शन के दौरान प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने राहल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि राहुल गांधी दुनिया में जाकर भारत को नीचा दिखाते हैं। वे हमारी भारतीय सेना का अपमान करते हैं और अपने आप को न्यायालय से ऊपर मानते हैं।

#### सांवलिया सेठ और कालिका माता के दर्शन कर की पूजा-अर्चना

चिताड़गढ पहुंचे सीपी जोशी ने भगवान सांवलिया सेठ और कालिका माता के दर्शन कर पूजा-अर्चना भी की। प्रदेशाध्यक्ष की कमान मिलने के बाद जोशी ने पहली बार यहां पहुंचकर प्रदेश की खुशहाली के लिए आशीर्वाद मांगा। साथ ही जनसंघ के वरिष्ठ कार्यकर्ता एडवोकेट कैलाश चंद्र झंवर के निवास पर उनकी कुशलक्षेम पूछी और उनका आशीर्वाद लिया। इस दौरान कई कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर उन्हें विधानसभा और लोकसभा चुनाव जीत को लेकर मंत्र भी दिया। रैली में भाजपा के जिला पदाधिकारी, कार्यकर्ता मौजूद रहे।

#### शहरों में लगातार काटी जा रही बिजली

नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि किसानों को दो हजार यूनिट फ्री बिजली के नाम पर शहरों की बिजली लगातार काटी जा रही है। इससे आमजन परेशान है। वहीं नए-नए सर चार्ज लगाकर आमजन पर महंगाई का बोझ ड़ाला जा रहा हैं। कांग्रेस पार्टी में एक मंत्री दूसरे मंत्री को ललकारता है।

#### एक नज़र

#### भ्रष्टाचारी पर एसीबी की कार्रवाई

#### संभागीय आयुक्त का रीडर 95 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

अजमेरे। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यरो की टीम ने जिले में कार्रवाई करते हुए बुधवार को संभागीय आयुक्त के रीडर को 95 हजार की रिश्वत लेते रंग हाथ गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार रीडर याकूब ने परिवादी की पेंडिंग विभागीय कार्रवाई पूरी करवाने के एवज में एक लाख रुपए की रिश्वत मांगी थी। डीआईजी समीर सिंह के निर्देश पर अजमेर एसीबी ने ट्रैप की कार्रवाई को अंजाम दिया।

एसीबी के अतिरिक्त महानिदेशक हेमन्त प्रियदर्शी ने बताया कि एसीबी की एसयू अजमेर टीम को परिवादी ने शिकायत दी थी। इसमें बताया था कि विभागीय कार्रवाई में दिए गए दंडादेश की अपील में निर्णय पक्ष में करवाने की एवज में संभागीय आयुक्त कार्यालय में कार्यरत रीडर याकब बक्श 1 लाख 50 हजार रुपए की रिश्वत मांग रहा है। एसीबी अजमेर के उप महानिरीक्षक पुलिस समीर कुमार सिंह के सुपरवीजन में एसीबी एसयू अजमेर टीम के उपाधीक्षक पुलिस राकेश वर्मा के निर्देशन में शिकायत का सत्यापन करवाया गया।



#### आरोपी ने परिवादी से सत्यापन के दौरान लिए 5 हजार

एसीबी की ओर से शिकायत सत्यापन की गई तब आरोपी रीडर ने परिवादी से 5 हजार रुपए की रिश्वत राशि के रूप में वसूल कर लिए थे। फिलहाल, डीआईजी समीर सिंह गोदारा के निर्देशन में आरोपी से पूछताछ जारी है। वहीं, एसीबीं की टीम आरोपी के आवास और अन्य ठिकानों पर सर्च ऑपरेशन में जुटी

शिकायत सही पाए जाने पर बुधवार को एसीबी की टीम ने ट्रैप की कार्रवाई करते हुए संभागीय आयुक्त बीएल मेहरा के रीडर याकुब बक्श ्पुत्र अली बक्श निवासी भूणाबाय, थाना सिविल लाईन्स, अजमेर को परिवादी से 95 हजार रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया।

#### हत्याकांड का पर्दाफाश

### उधारी मांगने पर की थी युवक की हत्या



डुंगरपुर। दोवड़ा थाना क्षेत्र के पांतली गांव में पिछले दिनों 2 अप्रैल की रात को हुई युवक की हत्या मामले का पुलिस ने पर्दाफाश किया है। इस मामले में बुधवार को 7 आरोपियों को

गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार युवक की ओर से उधार दिए रुपए मांगने पर आरोपियों ने उसके साथ मारपीट कर गंभीर घायल कर दिया था। बाद में अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई थी। पुलिस मामले में गिरफ्तार सभी आरोपियों से पूछताछ कर रही है। साथ ही फरार चल रहे तीन आरोपियों की तलाश जारी है। दोवड़ा थाना अधिकारी हेमंत चौहान ने बताया कि 2 अप्रैल की शाम को पांतली गांव निवासी विक्रम सिंह (40) लहूलुहान हालत में

पांतली से गेंह्रवाड़ा रोड पर मिला

था। परिजनों के अनुसार युवक

ने पांतली निवासी तुफान परमार को 6 हजार रुपए उधार दिए थे। इसमें से 5 हजार रुपए उसने वापस लौटा दिए थे, लेकिन बाकी के एक हजार रुपए नहीं

परिजनों के अनुसार बकाया राशि बार-बार मांगने के कारण तुफान परमार ने अपने 9 अन्य साथियों के साथ मिलकर युवक को लाठी और पत्थरों से पीटा। मामले में पुलिस ने 10 नामजद लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया था।

इस मामले में गिरफ्तार किए गए आरोपियों में पांतली गांव निवासी तुफान परमार (29), राजेश परमार (22), पोपट उर्फ हीरालाल परमार (24), राकेश डामोर (21), पंकज परमार (21), नीलेश परमार (19) और अनिल परमार (21) शामिल हैं। पूछताछ में आरोपियों ने युवक की हत्या करना स्वीकार किया है।



## हिलव्यू समाचार

दोषियों के बरी होने के बाद भाजपा ने गहलोत सरकार पर लगाए लापरवाही के आरोप

## बम ब्लास्ट मामले की सुप्रीम कोर्ट में मज़बूत पैरवी करवाए सरकार

जयपुर। शहर में 2008 में हुए सिलसिलेवार बम ब्लास्ट मामले में देकर पैरवी कराती है। लेकिन बम बलास्ट निचली अदालत ने तथ्यों के आधार पर व प्रभावी पैरवी से आरोपियों को फांसी की सजा सुनाई थी। वहीं इसके विपरीत कांग्रेस सरकार ने हाईकोर्ट में बम ब्लास्ट मामले में प्रभावी पैरवी नहीं की।

पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी ने सरकार पर लापरवाही के आरोप लगाते हुए कहा कि राजस्थान की सरकार छोटे-छोटे

मामले में एडवोकेट जनरल व सुप्रीम कोर्ट के बड़े-बड़े वकीलों को लाखों रुपए फीस मामले में 48 पेशी में केवल सरकार की ओर से जूनियर सरकारी अधिवक्ता उपस्थित हुआ। अतिरिक्त महाधिवक्ता व सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता से पैरवी नहीं करवाई। इसलिए अब भाजपा आरोपियों के बरी होने पर भाजपा के मांग करती है कि राजस्थान सरकार ने जो लापरवाही की उससे सबक लेते हुए सुप्रीम कोर्ट में अपील पेश करे और मजबूत पैरवी



#### मॉब लिंचिंग के मामले में खड़े किए बड़े वकील

अरुण चतुर्वेदी ने सोमवार को प्रेसवार्ता में कहा कि कांग्रेस सरकार के समय अकबर मॉब लिंचिंग के मामले में अलवर कोर्ट में वरिष्ठ अधिवक्ता को हर तारीख पेशी पर सरकार का पक्ष रखने के लिए भेजा गया था। विधायकों के इस्तीफे के मामले में भी कांग्रेस ने सीनियर वकील खडे किए। फिर बम ब्लास्ट केस में सरकार ने क्यों ऐसा नहीं किया। बम धमाके के समय राजस्थान में भाजपा की सरकार थी। जो इस केस को स्पेशल कोर्ट में ले जाकर गुनहगारों को फांसी की सजा तक लेकर गई। लेकिन जैसे ही राजस्थान में कांग्रेस सरकार आई तुष्टीकरण की राजनीति की। जिसके परिणाम जनता के सामने हैं।

#### अजमेर में संभाग स्तरीय मेगा जॉब फेयर 12 व 13 अप्रैल को



हिलव्य समाचार अजमेर। राज्य सरकार की ओर से बेरोजगार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए संभाग स्तरीय 'मेगा जॉब फेयर' 12 व 13 अप्रैल को आयोजित किया जाएगा। इस जॉब फेयर में संभाग के हजारों युवाओं को विभिन्न कंपनियों के माध्यम से रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा। इसके लिए जरूरतमंद बेरोजगार युवा ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करा सकेंगे। जिला कलेक्टर अंशदीप ने बताया कि जॉब फेयर के लिए कौशल, रोजगार एवं उद्योग विभाग, रीको एवं अन्य विभागों के सहयोग से देश-प्रदेश की विभिन्न कंपनियों को आमंत्रित किया जा रहा है।

इनके रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। वहीं क्यूआर कोड भी जनरेट कर दिए गए हैं। इसके माध्यम से कम्पनी पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करा सकती है। संभाग के बेरोजगार युवा, विद्यार्थी ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करा सकेंगे। इसके लिए अलग से लिंक और क्युआर कोड उपलब्ध कराया जाएगा। जिसके माध्मय से युवा अपना रजिस्ट्रेशन करा सकेंगे। जॉब फेयर में मोटिवेशनल स्पीकर्स युवाओं की हौसला अफजाही करेंगे। मंगलवार को अतिरिक्त जिला कलेक्टर प्रथम राजेन्द्र सिंह एवं द्वितीय देविका तोमर ने जॉब फेयर की तैयारियों को लेकर समीक्षा की।

#### सुरक्षा व यातायात व्यवस्था रहेगी चाक-चौबंद

जॉब फेयर को लेकर आयोजन स्थल के आस-पास यातायात व्यवस्था एवं सुरक्षा के चाक-चौबंद इंतजाम किए जाएंगे। इसको लेकर भी जिला प्रशासन तैयारी में जुट गया है। जॉब फेयर में आने वाले वाहनों की पार्किंग को लेकर स्थान तय किया गया है। जिला कलेक्टर ने पुलिस विभाग को मेला स्थल एवं आस-पास क्षेत्र में सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था सुचारू रखने से संबंधित निर्देश दिए हैं। इसी तरह नगर निगम, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, आई.टी. विभाग, शिक्षा, उच्च शिक्षा एवं तकनीकी शिक्षा, आईटीआई, पॉलीटेक्निक, जलदाय, बिजली, सार्वजनिक निमार्ण, आरएसएलडीसी, एमजीएनएफ, जिला उद्योग केन्द्र, रीको, सांख्यिकी एवं अन्य विभागों को उनसे संबंधित सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। इन सभी विभागों की ओर से जॉब फेयर में सेवाएं दी जाएगी।

मेले में तैयारियां शुरू

प्रशासन ने जॉब फेयर को लेकर तैयारियां शुरू कर दी है। इसके लिए मेला स्थल पर लगने वाली कंपनियों की स्टॉल व अन्य सुविधाओं के लिए स्थान तय किया जा रहा है। जॉब फेयर में शामिल होने के लिए पहले से रजिस्ट्रेशन कराना होगा। इसके बाद ही युवा अपनी स्कील के अनुसार कंपनियों से सम्पर्क कर सकेंगे।

युं करा सकेंगे रजिस्टेशन: बेरोजगार युवा एवं विद्यार्थी जिला प्रशासन के ट्विटर अकाउंट https://twitter.com/Dmajmer एवं फेसबुक अकाउंट https://www.facebook.com/AjmerDM ओपन करके भी रजिस्ट्रेशन करवा सकेंगे। रजिस्ट्रेशन के लिए लिंक प्रशासन की आधिकारिक सोशल मीडिया साइट्स पर शीघ्र उपलब्ध कराया जाएगा।

#### प्रदेश के सात संभागों में कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित

## कांग्रेस कार्यकर्ता मोदी सरकार को दिखाएंगे पार्टी की मज़बूती

#### सीएम बोले- कांग्रेस ने 70 साल में देश को खालिस्तान नहीं बनने दिया

हिलव्य समाचार

**जयपुर**। प्रदेश कांग्रेस आगामी

चुनावों में पार्टी की जीत सुनिश्चित करने के लिए कार्यकर्ताओं को एकजुट करने में जुट गई है। इसी के तहत पार्टी की ओर से सातों संभागों में कार्यकर्ता सम्मेलन बुलाया था। शनिवार को अंतिम सम्मेलन राजधानी जयपुर व कोटा में संपन्न हुआ। संभाग स्तरीय सम्मेलन के जरिए कांग्रेस ने कार्यकर्ताओं में जोश भरने का काम किया है। कोटा और जयपुर के संभाग स्तरीय सम्मेलन में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा सहित संभाग के विधायक, मंत्री और पदाधिकारियों के साथ बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हए। हालांकि स्वास्थ्य कारणों के चलते प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा कार्यक्रम में नहीं पहुंच पाए। इन सम्मेलनों में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को निशाने पर लेते हुए प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने 2024 के चुनाव में सबक सिखाने की बात कही।



रंधावा ने कहा कि वे ओम बिरला से पूछना चाहते हैं कि राहुल गांधी को संसद में क्यों नहीं बोलने दिया गया? ओम बिरला आम जनता के स्पीकर हैं या फिर मोदी के? उन्होंने राहुल गांधी की आवाज बंद कर लोकसभा को भी अपवित्र किया। जयपर में सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए रंधावा ने कहा कि जिस तरह से 1978 में इंदिरा गांधी की सदस्यता खत्म करने पर कांग्रेस ने जेल भरो आंदोलन किया और मोरारजी देसाई को स्कूलों को जेलों में तब्दील करना पड़ा।

उसी तरह इस बार फिर हम कांग्रेस के कार्यकर्ता मोदी सरकार को बताएंगे कि कांग्रेस कितनी मजबूत है। सम्मेलन में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भाजपा को निशाने पर लेते हुए कहा कि 70 साल में देश दुनिया में एक ताकत बना, देश को खालिस्तान नहीं बनने दिया। सोनिया गांधी ने प्रधानमंत्री पद छोड़ दिया, गांव में सरपंच का पद कोई नहीं छोड़ता, उनका बडा फैसला था। उनके बेटे को निष्कासित कर दिया। इसके नतीजे

#### कार्यकर्ताओं की वजह से कांग्रेस जिन्दा

रंधावा ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से कहा, राजस्थान में 2023 कांग्रेस को जिताओ। इसके बाद देश से 2024 में मोदी हटेंगे। सुखजिंदर सिंह रंधावा ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से ये भी कहा कि मुझे उम्मीद है कि राजस्थान में सरकार ने जो अच्छे काम किए हैं, उससे राजस्थान में कांग्रेस हार नहीं सकती। पूरी कांग्रेस राजस्थान में एकजुट है। उन्होंने कहा कि जो कांग्रेसी हैं, वह मेरे लिए सबसे बड़ा नेता है। कांग्रेस जिंदा है कांग्रेस कार्यकर्ताओं की वजह से।

#### राम के नाम पर राजनीति

सम्मेलन में राहुल गांधी की संसद की सदस्यता रद्द करने के मामले में भाजपा पर वार किए गए। मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने कहा, राम इनके बाप का नहीं राम हमारा बाप है। राहुल गांधी पर हमला नहीं देश की जनता पर हमला है। प्रताप सिंह ने महंगाई, भ्रष्टाचार, नीतियों को लेकर केंद्र सरकार को घेरते हुए राज्य सरकार की योजनाओं की तारीफ की। खाचरियावास ने गहलोत को बड़ा नेता बताते हुए कहा 10 -15 बड़े पहलवान करो तैयार, ताकि बीजेपी के घटने टिका सकें। हमारे अंदर कमियां हो सकती हैं, लेकिन बेईमानी नहीं। वहीं महेश जोशी ने कहा राहुल गांधी ने एक नई राजनीति की शुरुआत की है। कांग्रेस लोकतांत्रिक पार्टी है। राहल गांधी पर नहीं यह देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था पर प्रहार है।

जल जीवन मिशन: 14.13 लाख घरों में पहुंचा नल से जल



जयपुर । जल जीवन मिशन के तहत के कार्यों में गति बढ़ी है। जेजेएम में कल जल कनेक्शन के आधार पर अब राजस्थान देश में 12वें स्थान पर आ गया है। प्रदेश में अब तक के सर्वाधिक जल कनेक्शन का रिकॉर्ड तोड़ते हुए 31 मार्च को एक दिन में 27 हजार 470 कनेक्शन दिए गए हैं। इससे पहले 26 मार्च को 16,742 जल कनेक्शन किए गए थे। वित्तीय वर्ष 2022-23 में कुल 14 लाख 13 हजार 679 जल कनेक्शन किए जा चुके हैं। जनवरी से मार्च की तिमाही में रफ्तार पकड़ी योजना के तहत तीन महीनों में 7 लाख 34 हजार 715 जल कनेक्शन दिए गए। मार्च में प्रतिदिन कनेक्शन का औसत 12 हजार 67 रहा, जबकि पिछले एक सप्ताह का औसत प्रतिदिन 20 हजार कनेक्शन से ऊपर रहा है। अकेले मार्च माह में 3 लाख 74 हजार 65 ग्रामीण परिवारों को जल कनेक्शन दिए गए। वित्तीय वर्ष 2022-23 के जल जीवन मिशन के तय लक्ष्यों को हासिल करने वाले टॉप 5 जिलों में झालावाड़ ने 76, भीलवाड़ा 71, कोटा 69, चित्तौड़गढ़ 66 एवं उदयपुर ने 66 फीसदी प्रगति की है। जयपुर जिले में एक लाख से अधिक जल कनेक्शन किए हैं। प्रदेश में कुल 7 जिलों ने 50 फीसदी से अधिक जल कनेक्शन का लक्ष्य हासिल कर लिया है।

### 20 से अधिक जगहों से जिला बनाने की उठ रही मांग, मालपुरा में अनशन

#### हिलव्य समाचार जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत

की और से 19 नए जिलों के गठन की घोषणा के बाद कहीं खुशी जताई जा रही है, तो कहीं सरकार के इस फैसले का विरोध भी हो रहा है। प्रदेश में जिलों की संख्या 50 होने के बाद भी 20 से अधिक स्थानों से जिला बनाने की मांग उठ रही है। जिला बनाने के साथ ही जिले की सीमाओं को लेकर भी विवाद बढ़ रहा है। जिलों के गठन पर हो रहे विरोध करने वालो में सत्ता पक्ष के और विपक्ष के कई विधायक और जनप्रतिनिधि हैं। टोंक के मालपुरा को जिला बनाने की मांग को लेकर बीते एक सप्ताह



से जिला बनाओ संघर्ष समिति के लोग अनशन कर रहे हैं, वहीं गुर्जर समाज द्वारा विरोध प्रदर्शन किया गया। जिसमें राजस्थान जाट महासभा के प्रदेशाध्यक्ष राजाराम मील और महासचिव मदन चौधरी भी शामिल हुए और आंदोलन

का समर्थन किया। मालपुरा में प्रदर्शनकारियों ने गिरफ्तारियां देकर सरकार से जिला बनाने की मांग की गई। इधर नागौर के मेड़ता

सिटी, चूरू के सुजानगढ़ सहित

करीब 10 से अधिक जिलों में नए

जिले बनाने की मांग की जा रही है।

#### जयपुर शहर को बांटर्ने का विरोध

नए जिलों के गठन में जयपुर जिले को 4 जिलों में बांटा गया। इनमें कोटपूतली और दूदू को जिला बनाने के साथ ही जयपुर को दक्षिण और उत्तर में बांटने का विरोध हो रहा है। हालांकि इन दोनों जिलों की सीमाएं अभी निर्धारित नहीं की गई हैं। लेकिन जयपुर की सांस्कृतिक, आर्थिक, धार्मिक और राजनीतिक धरोहर को दो हिस्सों में बांटे जाने का कयास लगाते हए राजनीतिक, सामाजिक, व्यापारिक और धार्मिक संगठन इसका खुलकर विरोध कर रहे हैं। साथ ही ऑमेर से सांगानेर तक एक जयपुर रखने की मांग उठाई जा रही है।

#### बाड़मेर, अलवर व करौली में दुर्घटना से मची चीख-पुकार

## तीन जिलों में हुए सड़क हादसों में छह लोगों की गई जान

बाड़मेर। प्रदेश के तीन जिलों में बुधवार को अलग-अलग सड़क हादसों में 6 लोगों की जान चली गई, वहीं नौ लोग घायल हो गए। बाड़मेर, अलवर और करौली जिलों में हुए इन हादसों में पुलिस ने स्थानीय पहुंचाया। मंगलवार देर रात बाड़मेर जिले में भीषण सड़क हादसे में तीन युवकों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार स्कार्पियो कार में सवार तीन युवक अपने गांव जा रहे थे। इसी बीच कार का टायर फटने से हादसा हो गया। इस दौरान दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई वहीं तीसरे युवक ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस ने शवों को जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया

है। तीनों युवक आपस में चचेरे-ममेरे भाई बताए जा रहे हैं। हादसे की सूचना के बाद उपखंड अधिकारी समुंदर सिंह भाटी भी जिला अस्पताल पहुंचे।

पुलिस के अनुसार जिले के सदर थाना क्षेत्र में यह हादसा हुआ। मीठड़ी गांव के लोगों ने मदद से घायलों को अस्पताल निवासी खंगार सिंह (24), श्याम सिंह (23) और प्रेम सिंह (23) स्कॉर्पियो में सवार होकर बाड़मेर शहर से अपने गांव जा रहे थे। इसी बीच रास्ते में उनकी कार का टायर फट जाने से कार अनियंत्रित होकर पलट गई। इस हादसे में 2 युवको की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। आस-पास के लोगों ने घायल को जिला अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां इलाज के दौरान उसने भी दम तोड़ दिया।

#### ट्रैक्टर ने टैंपू को मारी टक्कर, 2 की मौत

अलवर। अलवर जिले में टपूकड़ा थाना क्षेत्र के गांव नाखनोल में बुधवार सुबह हुए भीषण हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। वहीं, आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। हादसा उस वक्त हुआ जब नाखनोल गांव



के लोग टैंपू में सवार होकर लावणी करने के लिए खेत पर जा रहे थे। तभी गांव से कुछ ही दूरी पर तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने टैंपू को टक्कर मार दी। हादसे की सूचना मिलते ही टपूकड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से घायलों को सरकारी अस्पताल भिजवाया। पुलिस के मुताबिक सुबह नाखनोल गांव के रहने वाले

14 लोग टैंपू में सवार होकर खेत पर काम करने के लिए जा रहे थे। गांव से बाहर निकलते ही सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने टैंपू को टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि टैंपू पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। मौके पर मौजूद लोग मदद के लिए आगे आए और घायलों को टैंपू से बाहर निकाला। इस हादसे में बिस्मिल्लाह नाम के एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई।

#### 50 यात्रियों से भरी बस तालाब में गिरी

करौली। करौली जिले के ससेडी तालाब के पास मोड़ पर एक निजी बस अनियंत्रित होकर तालाब में गिर गई। बस में 50 से ज्यादा लोग सवार थे। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि 3



लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।जानकारी के मुताबिक बस करौली से मंडरायल से 50 सवारियों को लेकर जा रही थी। करौली के ससेड़ी तालाब के पास मोड़ पर आते ही बस अनियंत्रित होकर तालाब में गिर गई। हादसा होने के बाद सवारियों में चीख-पुकार मच गई। जिसके बाद स्थानीय लोग तुरंत दौड़कर मौके पर पहुंचे और पुलिस

को सूचना दी। इसके बाद एसपी नारायण टोंगस और जिला कलेक्टर अंकित कुमार सिंह मौके पर पहुंचे। मौके पर एकत्र हुए लोगों ने एसडीआरएफ की टीम के साथ क्रेन की मदद से बस को बाहर निकालने का प्रयास किया, लेकिन एक बार तो बस के वजन के चलते क्रेन भी पलट गई। किसी तरह क्रेन को सीधा किया गया और रस्सी से बांध कर बस को बाहर निकाला गया।

प्रियंका ने की रंगमेद पर चर्चा

फेयरनेस क्रीम का एड

करने का होता है पछतावा

उन्होंने यह भी खुलासा किया कि उन्हें वर्ष सांवली नहीं हं, तो आपको काम पाने के

2000 के दशक में त्वचा के लिए लिए थोड़ी ज्यादा मेहनत करनी पड़ी है.

हानिकारक 'गोरापन लाने' वाली क्रीम के सांवली लड़िकयों के लिए इंडस्ट्री में हमेशा

विज्ञापनों का हिस्सा बनने का पछतावा है. से ही नियम कायदे अलग रहे हैं. प्रियंका

बकौल प्रियंका, गोरे होने पर आपको शो आर्मचेयर एक्सपर्ट पोडकास्ट पर डैक्स

बिज में किसी प्रकार की सफलता या शेफर्ड से बात कर रही थीं. प्रियंका जल्द

कास्टिंग की गारंटी मिल सकती थी, लेकिन ही 'सिटाडेल' और रोम-कॉम 'लव अगेन'

प्रियंका चोपड़ा जोनास का कहना है कि उन्होंने बॉलीवुड में भी रंगभेद का सामना किया है.



हिलब्यू समाचार

कपूर और आँलिया भद्र के साथ देखा गया था. फिलहाल अमिताभ प्रभास, दीपिका पाढ्कोण और दिशा पाटनी स्टारर अस्थायी टाइटल वाली 'पोजेक्ट-के' में काम कर रहे हैं. यह एक पैन इंडिया फिल्म है, जिसकी शुटिंग इन दिनों हैदराबाद में चल रही है. इसी फिल्म की शूटिंग के दौरान कुछ सप्ताह पहले अमिताम को चोट लग गई थी, जिसकी वजह से उन्हें रेस्ट करने की सलाह दी गई है. अमिताभ जल्द ही दींपिका पादुकोण के साथ हॉलीवुड हिट 'द इंटर्न' के

पिछली जुलाई एक ऑनलाइन रिसर्च के सर्वे में ब्रांड एंडोर्सर के रूप में अमिताभ को एमएस धोनी, विराट कोहली, अक्षय कुमार, शाहरुख खान, सलमान खान और अन्य पसंदीदा सितारों में सबसे अधिक मान्यता प्राप्त हस्ती के रूप में नामित किया गया था. वहीं, 2021 में बच्चन 54.2 मिलियन डॉलर के ब्रांड के साथ डफ एंड फेल्प्स सेलिब्रिटी ब्रांड वैल्युएशन रिपोर्ट में पिछले वर्ष नौवें से छठे स्थान पर पहुंच गए.

#### सोशल मीडिया पर शेयर की हेल्थ अपडेट

रीमेक में भी नजर आने वाले हैं.

'प्रोजेक्ट-के' के सेट पर लगी चोट के बाद, अमिताभ बच्चन ने अपनी हेल्थ के बारे में सोशल मीडिया पर एक अपडेट शेयर किया है, इंस्टाग्राम पर साझा किए गए एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि वह अब ठीक हो रहे हैं. अपनी पोस्ट के साथ, उन्होंने काले और सफेद रंग की ड्रेस में एक फैशन शो में रैंप पर चलते हुए खुद की एक श्रोबैक तस्वीर भी शेयर की, कैप्शन में उन्होंने लिखा, 'मेरे ठीक होने के लिए सभी प्रार्थनाओं और शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद. उम्मीद है कि मैं जल्द ही रैंप पर वापसी करूंगा.

हाल ही अजय देवगन ने एक इवेंट में कहा कि इस उम्र में भी अमिताभ के अपने काम के प्रति समर्पण से युवा पीदी बहुत कुछ सीख सकती है. हालांकि, उनका समर्पण उनके रवास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव भी डालता है.

#### अपनी पीढ़ी के सबसे व्यस्त कलाकार हैं बच्न

पिछले साल ओटीटी और थिएटर में उनकी 6 फिल्में रिलीज हुईं. 80 वर्षीय अमिताभ अपनी पीढी के सबसे व्यस्त कलाकार हैं. बीते साल उनकी 'झूंड' ने करीब 14 करोड़, जबिक अजय देवगन निर्देशित 'रनवे 34' ने करीब 33 करोड़ का बिजनेस किया. वहीं, सुपरहीरो फ्लिक 'ब्रम्हास्त्र' में उन्होंने एक महत्त्वपूर्ण कैमियो किया था, जिसने 431 करोड रुपए का बिजनेस किया. जबकि उनके पारिवारिक डामा 'गुडबॉय' ने 6.38 करोड़ रुपए की कमाई की थी. महामारी के दौरान, उनकी कॉमेडी डामा 'गलाबो सीताबो' डायरेक्ट ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने वाली कुछ पहली हिंदी फिल्मों में से एक थी. इस उम्र में भी टीवी, एंडोर्समेंट्स और फिल्मों में बिजी रहना उनकी फिटनेस दिखाता है.

#### सारा भूलीं बीती बातें एक्स बॉयफ्रेंड कार्तिक के

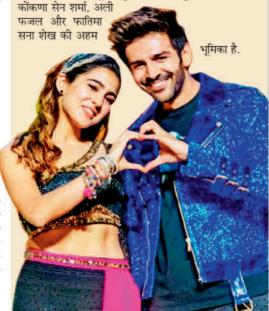
साथ काम करने को तैयार सारा अली खान और कार्तिक आर्यन 'लव आज कल' फिल्म की शूटिंग के समय एक-दूसरे के करीब आ गए थे. हालांकि बाद में दोनों का ब्रेकअप हो गया था. अब सारा ने एक इंटरव्यू में कहा है कि वह कार्तिक के साथ 'आशिकी 3'

में साथ काम करने के लिए तैयार हैं.

वैसे इस फिल्म का ऑफर उन्हें अभी नहीं मिला है. 'आशिकी 3' में अभी तक फीमेल लीड फाइनल नहीं की गई है, जबकि कार्तिक को इस फिल्म के लिए फाइनल किया गया है. फैंस आशा कर रहे हैं कि सारा को उनके साथ लिया जाएगा. इस फिल्म की शूटिंग दिसंबर तक शुरू होने की उम्मीद है.

#### 'मेट्रो इन दिनों' में कर रहीं काम

सारा अनुराग बसु के साथ 'मेट्टो इन दिनों' में काम कर रही हैं इसमें आदित्य राय कपूर, अनुपम खेर, नीना गुप्ता, पंकज त्रिपाठी



'वॉर 2' पर

फोकस करेंगे अयान

PART ONE: SHIVA

सकें.' फिल्म के पहले पार्ट में रणबीर कपर और

आलिया भट्ट की केमिस्टी को लोगों ने खब पसंद

किया. फिल्म के अगले पार्ट में दीपिका पादुकोण

भी अमृता के किरदार में नजर आएंगी.

जाते हुए अयान उनकी फिल्म 'वॉर 2' का निर्देशन करेंगे. फिल्म

के पहले पार्ट को सिद्धार्थ आनंद ने निर्देशित किया था और अब अयान

को 'वॉर 2' के निर्देशन की जिम्मेदारी सौंपी गई है. ऋतिक रोशन अभिनीत इस फिल्म का

नाम न लेते हुए अयान ने लिखा, 'ईश्वर ने मुझे एक स्पेशल फिल्म को निर्देशित करने का

विशेष अवसर दिया है. ये एक ऐसा मौका है जो चुनौतियों से भरा है लेकिन वो मुझे

उत्साहित करता है. यहां मुझे काफी कुछ सीखने मिलेगा और ये मुझे प्रेरणा से भर

2' के निर्देशन के लिए उन्हें

देगा. इसलिए मैंने इसे निर्देशित करने का फैसला किया है.' सूत्रों की मानें तो

अयान की फिल्मों का रिकॉर्ड देखते हुए आदित्य चोपड़ा को उन पर काफी

संभालेंगे 'वॉर 2' की कमान

दूसरी ओर यशराज फिल्म्स के स्पाई युनिवर्स को आगे ले

रणबीर कपूर के फैंस

सकती है क्योंकि उन्हें 'ब्रह्मास्त्र' के दूसरे

और तीसरे पार्ट के लिए अभी और इंतजार करना

होगा. खबर है कि 'ब्रह्मास्त्र' के सीक्वल को लेकर

उसके स्क्रिप्ट का काम अभी पूरा नहीं हुआ है, जिसके

चलते इसकी रिलीज करीब 3 वर्ष के बाद ही होगी. बताया

गया कि 'ब्रह्मास्त्र 2' साल 2026 तो वहीं इसका तीसरा पार्ट

2027 में रिलीज किया जाएगा.

अयान ने स्वयं इस बात की जानकारी देते

हुए सोशल मीडिया पर लिखा, 'ब्रह्मास्त्र

ट्रायोलॉजी, द अस्त्रावर्स और मेरी जिंदगी पर

अपडेट देने का समय आ गया है. फिल्म के

पहले पार्ट को मिले प्रेम के बाद मैं इसके दूसरे

और तीसरे पार्ट के निर्माण में लग गया जो कि और

भी बड़ा और धमाकेदार होगा. मुझे यह समझ में

आया है कि इसे बनाने में हमें स्क्रिप्ट में और मेहनत

तथा सुधार करने की आवश्यकता है ताकि हम दोनों

ही फिल्मों को

को ये खबर थोड़ी हताश जरूर कर

रही हैं किट्ट गिडवानी सोनी के आगामी शो, 'हम रहें ना रहें दुनिया का टकराव होता है. हम' की कहानी दमयंती के इर्द-गिर्द प्रभावशाली किरदार निभाने को लेकर घुमती है, जो एक शाही घराने की मुखिया है. दमयंती का किरदार किट्ट गिडवानी की विधवा मुखिया हैं, जो शाही वंश और निभाने जा रही हैं, जहां वो इस दमदार उसकी जीवनशैली को सबसे ऊपर रखती रोल के साथ भारतीय टेलीविजन पर

यदि आप सांवले हैं, जबिक मैं उतनी भी में दिखाई देंगी.

टीवी पर वापसी कर

बारोट परिवार की सख्त परंपराओं को आगे बढाते हए दमयंती भी एक सख्त परंपरावादी बन जाती हैं, जो बदलाव की हवा को कभी अपने घर में नहीं आने देतीं. परिवर्तन के लिए उनका यह विरोध ही उनके बेटे शिवेंद्र (जय भानुशाली) और उनकी प्रेमिका सरीली (टीना दत्ता) के सामने सबसे बड़ी चुनौती होगी. यह शो इन दो मजबूत इरादों वाली महिलाओं की कहानी को उजागर करेगा, जहां उन

वापसी कर रही हैं.

किट्ट कहती हैं, "दमयंती बारोट परिवार हैं. वो बदलाव या ऐसी किसी भी चीज में विश्वास नहीं करतीं जो स्थापित मल्यों और

> आए. जिसकी रक्षा के लिए उन्होंने बहत संघर्ष किया है. दमयंती देवी एक बेहद मजबत किरदार हैं और मुझे लगता है कि उनके अलग-अलग पहलुओं को सामने लाना बड़ा चैलेंजिंग होगा. बेहद प्रभावशाली होने के बावजूद, उनका व्यक्तित्व 🧫 और आकर्षण ऐसा 🚁 है जिसने मुझे दमयंती का किरदार

परंपराओं की मर्यादा के रास्ते में

## अपूर्व ने 'बिग बॉस'

लोकप्रिय टेलीविजन जोड़ी अपूर्व अग्निहोत्री और शिल्पा सकलानी ने हाल ही अपने एक ब्लॉग में रियलिटी शो 'बिग बॉस' में अपने-अपने सफर के बारे में बात की. उन्होंने रियलिटी शो के 'स्क्रिप्टेड' होने के बारे में फैंस के सवालों के जवाब भी दिए. दोनों सीजन 7 का हिस्सा थे. दोनों ने स्वीकार करते हुए कहा कि वे बिग बॉस में सिंगल प्रतियोगी के रूप में शामिल नहीं होने पर अड़े थे. अपूर्व ने कहा, यह शो स्क्रिप्टेड है. चैनल जानता है कि कौन प्रतिभागी कब और कैसे रिएक्ट करेगा. लोगों ने हाल के सीजन में भविष्यवाणी करना शुरू

#### में हेर-फेर कर दर्शकों को चौंकाना पड़ता है.

शो की कहानी महिलाओं, विशेष रूप से विधवा महिलाओं के जीवन में आने वाली कठिनाइयों पर केन्द्रित है. शो के वर्तमान एपिसोड में खुद पर होने वाले अन्याय से लड़ते हुए रीना खुद को परी तरह बदलने लिए तैयार हैं. जिसके लिए वो शो में जल्द ही एक नए अवतार में नजर आएंगी. रीना का कहना है, 'मेरा किरदार एक शांत, संवेदनशील और मृदुभाषी महिला का है. अपनी खुशियों के लिए कई बार हमें अपना हीरो खद ही बनना पड़ता है. यही



कर दिया है. मेकर्स को विजेताओं

#### रीना का शो में बदलेगा लुक

टीवी शो 'आशाओं का सवेरा...धीरे-धीरे से' की मुख्य अभिनेत्री रीना कपुर धारावाहिक के अपकमिंग टैक में अपने नए अवतार में नजर

मेरे नए अवतार का ध्येय है.'

## GT निओ 5 SE में जबरदस्त कूलिंग चैंबर

रियलमी ने अपने नए फोन GT निओ 5 SE GPU 725, 16 जीबी रैम और GT mode

को लॉन्च कर दिया है. इसको 16 जीबी रैम 4.0 मिलता है जो कि गेमिंग परफॉरमेंस को

और स्नैपड्रैगन 7+ Gen 2 प्रोसेसर के साथ बढ़ा देगा. फोन में 1 टीबी तक की स्टोरेज है. पेश किया गया है. Realme GT Neo 5 SE रियलमी ने अपने इस फोन में 3 रियर कैमरे दिए में 1.5K रिजॉल्युशन वाली डिस्प्ले है, जिसका रिफ्रेश रेट 144Hz है. फोन के साथ टिपल रियर कैमरा है जिसमें प्राइमरी लेंस 64

मेगापिक्सल का है. फोन में 4,500mm का स्क्वॉयर 3D टेंपर्ड वेपर चैंबर (VC) कृलिंग एरिया है. यह 100W की फास्ट चार्जिंग के साथ आता है. इसमें एंड्रॉयड13 के साथ Realme UI 4.0 है. फोन में 6.74 इंच की

Gen 2 प्रोसेसर, ग्राफिक्स के लिए Adreno जिसके साथ 100W की फास्ट चार्जिंग है.

हैं जिनमें प्राइमरी लेंस 64 मेगापिक्सल का है,

जिसका अपर्चर f/1.79 है. दूसरा लेंस 8 मेगापिक्सल का अल्ट्रा वाइड एंगल और तीसरा लेंस 2 मेगापिक्सल का मैक्रो है. फ्रंट में 16 मेगापिक्सल का कैमरा है. इसमें 5G, 4G LTE. Wi-Fi.

ग्लोनास,



शाहरुख खान की 'जवान' की शूटिंग पूरी होते ही फैंस को इसके 2 जून को ही रिलीज होने की उम्मीद जग गई है. सोशल मीडिया पर 'जवान' को लेकर फैंस की दीवानगी देखते ही बन रही है. वे 'जवान' को लेकर कई तरह की बातें बता रहे हैं. कुछ फैंस तो तस्वीरें शेयर कर

बता रहे हैं कि शाहरुख की फिल्म के लिए अंडरवाटर भी शूटिंग हुई है. इसके वीडियो भी टिवटर पर शेयर किए जा रहे हैं.



डायरेक्ट कर चुके हैं. दिग्गज सितारे जवान' पैन इंडियन फिल्म है. फिल्म में नयनतारा और विजय सेत्पति

एटली कर रहे हैं डायरेक्ट

शाहरुख की 'पठान' की कामयाबी और 'जवान' के

जोरदार टीजर ने फैंस में जबरदस्त जोश भर दिया है.

इसी वजह से वे बहुत ही बेसब्री के साथ 'जवान'

की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं. 'जवान' को

एटली डायरेक्ट कर रहे हैं. वह साउथ के

नामी डायरेक्टर हैं. इससे पहले वह

'बिजिल' और 'मर्सल' जैसी फिल्में

जैसे साउथ के इस बिग बजट

कोशिश की जा रही है. ऊपर से शाहरुख खान के लुक के तो क्या

भी शामिल दिग्गज सितारे भी हैं. de de कहा जा रहा है कि फिल्म में संजय दत्त अहम किरदार में नजर आ सकते हैं.

बनाने की हर संभव

घमंड के आगे कभी घुटने नहीं टेके

अभिनेत्री कंगना रनौत अपनी पीरियड डामा फिल्म 'इमरजेंसी' के पोस्ट-पोडक्शन के काम में व्यस्त हैं. उन्होंने हाल ही में सोशल मीडिया पर अपने दिल की बात साझा करते हुए कहा कि वह अपनी सुंदरता पर गर्व महसुस करती हैं और खुद के बारे में अच्छा महसूस करती हैं लेकिन कभी भी घमंड के विचार की शिकार नहीं हुईं जो फिल्मों की क्लैमरस दुनिया में काफी स्वाभाविक रूप से आता है. थोड़ा अपनी खूबसूरती पर इतरा लूं...

उन्होंने कहा कि पोस्ट में सेल्फी, ट्रैफिक बोरियत का परिणाम है. उन्होंने ट्वीट किया, आज एयरपोर्ट जाते हुए ट्रैफिक बहुत मिला तो सोचा कि थोड़ा अपनी खबसरती पर इतरा लेती हूं. कमियां मुझमें भी होंगी शायद, लेकिन घमंड का शिकार मैं कभी नहीं रही. हालांकि उन्होंने अपने पोस्ट को अंत में एक सवाल के साथ खत्म किया, उन्होंने कहा, 'अब इस उम्र में

अभिनेत्री ने ट्विटर पर अपनी यात्रा से पहले की तस्वीरों का कोलाज साझा किया. तस्वीरों में 'गैंगस्टर' की अभिनेत्री को अपने कर्ल के साथ एक एथनिक पोशाक पहने देखा जा सकता है.

भरोसा है और यही वजह है कि उन्होंने 'वॉर यह बीमारी लग जाए तो?' इन संकेतों से करें टॉक्सिक वर्कप्लेस की पहचान वक्त रहते बदल लें अपनी नौकरी

जरूरी हिस्सा है . एक अच्छा जीवन जीने में नौकरी हमारी काफी मदद करती है . हमारे पूरे दिन का ज्यादातर हिस्सा ऑफिस या हमारे

कामकाज हमारे जीवन का एक बेहद

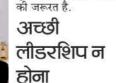
बेहद जरूरी है कि आपका वर्कप्लेस ऐसा हो, जहां न सिर्फ आपको काम करने का मन करे, बल्कि ग्रोथ भी मिले . लेकिन कई बार ऑफिस का कल्चर और वर्क एन्वायरमेंट हमें आगे बढ़ने का अवसर देने की बजाय तनाव देने लगता है . इसका असर न सिर्फ आपकी सेहत पर पड़ता है, बिक्क इससे आपकी ग्रोथ में भी काफी मुश्किलें आने लगती हैं. अगर आपको भी अपनी वर्कप्लेस पर ये संकेत नजर आ रहे हैं, तो समझ जाएं कि अब आपको जल्द से जल्द

#### हद से ज्यादा प्रतिस्पर्धा

खुद को बेहतर बनाने और आगे बढने के लिए प्रतिस्पर्धा बेहद जरूरी होती है. लेकिन कई बार हद से ज्यादा प्रतिस्पर्धा आपके लिए नुकसानदायक साबित हो सकती है. कार्यक्षेत्र में ही गुजरता है . ऐसे में यह अगर आपके बॉस कर्मचारियों को हर बात में प्रतिस्पर्धा के लिए प्रोत्साहित करते हैं, तो यह एक टॉक्सिक वर्कप्लेस और कड़ी मेहनत के बाद भी आपको ग्रोथ नहीं मिल पाती. का लक्षण है. दरअसल. जरूरत से ज्यादा प्रतिस्पर्धा की

दूसरे की मदद करने की जगह उनसे दूरी बनाने लगते हैं. आगे बढने का मौका न मिलना

लगन और मेहनत से करता है. लेकिन कई बार अच्छे काम अगर आपके वर्कप्लेस में भी ऐसा ही माहौल है तो आपको तुरंत अपनी नौकरी बदलने



तभी बन पाता है, जब वहां बेहतर लीडरशिप मिल पाती हो सकते हैं.

है. एक अच्छे लीडर के अंडर काम करने से उनके अनुभव से न सिर्फ आपको काफी कुछ सीखने को मिलता है, बल्कि इससे आपकी ग्रोथ भी होती है. लेकिन अगर आप किसी ऐसे लीडर के साथ काम कर रहे हैं, जो हर व्यक्ति आगे बढ़ने की ख्याहिश लिए अपने काम को काम में किसी भी तरह से आपकी मदद नहीं कर पाता है तो आप एक गलत वर्कप्लेस में काम कर रहे हैं.

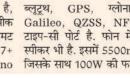
#### घर पर ऑफिस का काम

## करना

अगर आप एक अच्छे वर्कप्लेस में हैं तो आपको कभी भी ऑफिस का अपना काम घर पर नहीं करना पडेगा. लेकिन अगर आप एक टॉक्सिक वर्क कल्चर में काम कर रहे हैं, तो आपका ऑफिस तो खत्म हो जाएगा, लेकिन काम नहीं. अगर आपके सीनियर ऑफिस के बाद भी ऑफिस के काम के लिए आपको परेशान कर एक दफ्तर बेहतर वर्कप्लेस रहे हैं, तो आपको तुरंत अपनी नौकरी बदल लेनी चाहिए. क्योंकि काम के स्ट्रेस की वजह से आप के कर्मचारियों को एक मानसिक ही नहीं, बल्कि शारीरिक रूप से भी परेशान



1.5K रिजॉल्यूशन पिक्सल वाली डिस्प्ले है, ब्लूटूथ, GPS, जिसका रिफ्रेश रेट 144Hz है. डिस्प्ले की पीक Galileo, QZSS, NFC और यूएसबी ब्राइटनेस 1400 निट्स है और कलर गेमट टाइप-सी पोर्ट है. फोन में डॉल्बी एटमॉस DCI-P3 का सपोर्ट है. फोन में स्नैपड्रैगन 7+ स्पीकर भी है. इसमें 5500mAh की बैटरी है





अपनी नौकरी बदल लेनी चाहिए.





## हिलव्यू समाचार देश-विदेश

#### सोमालिया में बाढ़ से 21 मौतें, एक लाख विस्थापित

मोगादिश्, (एजेंसी)। सोमालिया में भारी बारिश के कारण अचानक आई बाढ़ से करीब 21 लोगों की मौत हो गई है, एक लाख से अधिक लोग विस्थापित हो गए हैं और लाखों की संपत्ति नष्ट हो गई है। मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (ओसीएचए) ने बताया कि हाल के दिनों में गेडो क्षेत्र के बरधेरे जिले में सबसे भारी बारिश हुई है और सभी मौतें भी यहीं हुई हैं। ओसीएचए ने सोमालिया में अचानक आई बाढ पर अपने नवीनतम अपडेट में कहा कि बाढ़ से छह स्वास्थ्य केंद्र, 200 शौचालय और चार स्कूल नष्ट हो गए। उसने बताया कि 1,000 हेक्टेयर से अधिक कृषि भूमि जलमग्न हो गई है और 3,000 से अधिक बच्चों की पढाई बाधित हुई है। बाढ़ ऐसे समय में आई है जब सोमालिया गंभीर सखे का सामना कर रहा है। इसकी वजह से 82.5 लाख से अधिक लोगों को मानवीय सहायता की आवश्यकता है।

#### आंध्र प्रदेश में मिला 15 दुर्लभ खनिजों का भंडार

हैदराबाद, (एजेंसी)। एनजीआरआई के वैज्ञानिक पी सुंदर राजू ने बताया कि दो गांवों में अलग-अलग तरह के जिक्रोन को देखा गया है। उन्होंने कहा कि मोनाजाइट के दानों के अंदर कई कलर दिखाई देते हैं, जो रेडियोधर्मी तत्व का संकते देते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक इन तत्वों के बारे में और गहनता से अध्ययन किया जाएगा। इन तत्वों का उपयोग स्वच्छ ऊर्जा, एयरोस्पेस, रक्षा और स्थायी चुम्बकों को तैयार करने में उपयोग किया जाता है। इसके अलावा, इनका उपयोग पवन टर्बाइन, जेट विमान और कई अन्य उत्पाद को बनाने में भी किया जाता है। इन तत्वों को समझने के लिए तीन सौ तरह के नमूने लिए गए हैं। बता दें कि ये भू-वैज्ञानिक देश में कहीं भी खनिज की तलाश कर सकते हैं और इसकी जानकारी केंद्र सरकार को देते हैं।

#### ट्रेन के इंजन पर चढ़ा यात्री हाईटेंशन लाइन से झुलसा

बहराइच, (एजेंसी)। उप्र में बहराइच के जरवल रोड रेलवे स्टेशन पर मंगलवार को मुंबई एलटीटी एक्सप्रेस ट्रेन के इंजन पर चढा एक यात्री हाईटेंशन लाइन की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गया। रेल विभाग के सूत्रों ने बताया कि मुंबई एलटीटी एक्सप्रेस ट्रेन मंगलवार को सुबह गोरखपुर के लिए रवाना हुई। ट्रेन जरवल रोड रेलवे स्टेशन से साढ़े चार किमी दूर पिलर संख्या 699/02 के पास लाल सिग्नल मिलने पर ट्रेन को सुबह 8.10 बजे रोका। इसी दौरान एक यात्री ट्रेन से चालक के पीछे बने इंजन पर चढ गया। उसने रेलवे स्टेशन पर बने लाइन को पकड लिया और झुलस गया। जरवल रोड प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार सिंह ने बताया कि उसकी पहचान नहीं हो सकी है उप निरीक्षक पवन कुमार समेत 30 जवान मौके पर पहुंचे। पुलिस ने किसी तरह झुलसे यात्री को नीचे उतारा। इसके बाद उसे एंबर्लेस से जिला अस्पताल पहुंचाकर भर्ती कराया है। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि यात्री के पास झांसी का जला हुआ टिकट मिला है। शायद वह गोरखपुर जा रहा था।

#### उच्च न्यायालय में खोली रिपोर्ट पर कार्रवाई होगी: सीएम मान

चंडीगढ़, (एजेंसी)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने मंगलवार को कहा कि नशा मामले से संबंधित



तीन रिपोर्ट, जो हाल में पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय में खोली गई हैं, पर उनकी सरकार कार्रवार्ड करेगी। श्री मान ने

टवीट कर कहा कि पंजाब में नशा मामले से संबंधित कई साल से बंद पड़े माननीय हाई कोर्ट द्वारा खोले गए तीन लिफाफे सरकार के पास पहुँच गए हैं..पंजाब की जवानी को नशे से बर्बाद करने वालों के खिलाफ सख़्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उच्च न्यायालय ने 28 मार्च को एसआईटी की तरफ से सौंपे गये चार सीलबंद लिफाफों में से तीन की रिपोर्ट खोली थीं। यह रिपोर्ट चार साल पहले सौंपी गई थीं।

#### इतिहास

- 🔳 1930 : महात्मा गांधी अपने अनुयायियों के साथ नमक कानून तोड़ने के लिए दांडी पहुंचे।
- 1949: भारत स्काउट एंड गाइड की स्थापना हुई।
- 1957: देश और दुनिया में पहली बार लोकतांत्रिक तरीके से केरल में संपन्न चुनाव के बाद कम्युनिस्ट पार्टी सत्ता में आई और ईएमएस नंबूदरीपाद ने मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण की।
- 1961: भारत सरकार की ओर से प्रायोजित पहली 'इंडियन ड्रग्स एंड फार्मास्यूटिकल लिमिटेड कंपनी" की स्थापना।
- 1964: नौसेना ने पहली बार राष्ट्रीय समुद्री दिवस मनाया।
- 1979: देश का पहला नौसेना संग्रहालय मुंबई में खुला।
- 1991: अंतरिक्ष यान एसटीएस 37 (अटलांटिस 8) का प्रक्षेपण

## सिक्किम में हिमस्खलन से सात पर्यटकों की मौत

#### 350 टूरिस्ट अब भी मुसीबत में फंसे

को राष्ट्रीय राजमार्ग 310 के एक हिस्से में भारी हिमस्खलन की चपेट में आने से करीब सात पर्यटकों की मौत हो गई। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। रक्षा सूत्रों ने बताया कि सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) हिमस्खलन के कारण प्रभावित क्षेत्र में फंसे कम से कम 350 पर्यटकों को बचाने में सफल रहा है। रक्षा प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल महेंद्र रावत ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग 310 पर गंगटोक-नाटू ला जवाहर लाल नेहरू मार्ग पर हिमस्खलन हुआ। उन्होंने कहा कि 5-6

गंगटोक. (एजेंसी)। सिक्किम में मंगलवार वाहनों में सवार करीब 30 पर्यटक नाटू ला जा रहे थे, जो बर्फ में दब गए। भारतीय सेना की त्रिशक्ति कोर के जवान और प्रोजेक्ट स्वास्तिक के तहत बीआरओ के जवान तुरंत कार्रवाई में जुट गए, और एक चौतरफा बचाव अभियान शुरू किया।

अभियान के दौरान घाटी से कुल 23 लोगों को जिंदा बाहर निकाला गया। जिसके बाद उन्हें भारतीय सेना के नजदीकी चिकित्सा सुविधाओं में भर्ती कराया गया। लेफ्टिनेंट कर्नल रावत ने कहा, दुर्भाग्य से सात पर्यटकों



#### बांग्लादेश के सबसे बड़े कपड़ा बाजार में लगी भीषण आग

बांग्लादेश) की राजधानी ढाका के बंगा बाजार इलाके में मंगलवार सुबह भीषण आग लग गयी, जिस पर काबू पाने के लिए अग्निशमन विभाग और नागरिक रक्षा विभाग की कम से कम 41 इकाइयां काम



कर रही हैं। अग्निशमन सेवा नियंत्रण कक्ष के इयुटी ऑफिसर रफी अल फारूक ने देश के सबसे बड़े कपड़ा बाजार में आग लगने की पष्टि की हालांकि, उन्होंने आग लगने के कारणों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। उन्होंने बताया कि फिलहाल आग पर काबू पाने के लिए दमकल सेवा

की 41 इकाइयां काम कर रही हैं। इसके अलावा और भी कई इकाइयां रास्ते में हैं। अब तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

#### रामनवमी मामले में ममता का पलटवार, ओवैसी ने खोला मोर्चा

## बंगाल और बिहार की हिंसा पर भाजपा ने राज्य सरकारों को घेरा

कोलकाता, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल और बिहार में हुई हिंसा की घटना को लेकर राज्य सरकारों और बीजेपी के बीच वार-पलटवार का सिलसिला जारी है। दोनों राज्यों में गुरुवार को रामनवमी के दिन हिंसा हुई थी। इस दौरान शोभायात्रा पर

पथराव किया गया और वाहनों में आग लगाई गई थी। हिंसा के बाद प्रभावित इलाकों में इंटरनेट सेवा बंद कर दी गई थी और भारी पुलिस बल तैनात किया गया था।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने बंगाल में रामनवमी के दौरान हुई हिंसा पर राज्य सरकार से मंगलवार 4 अप्रैल को एक विस्तृत रिपोर्ट भी

मांगी है। हिंसा की इन घटनाओं को लेकर भाजपा ने बिहार और बंगाल की सरकार पर निशाना साधा, जिसके बाद टीएमसी और बिहार सरकार की ओर

से भी पलटवार किया। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकर ने मंगलवार को रामनवमी पर हुई हिंसा की घटनाओं को लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और बिहार के मख्यमंत्री नीतीश कमार पर ताजा हमला किया और उन पर अल्पसंख्यक वोटों के लिए तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया।

#### ममता बोलीं हिंसा में भाजपा का हाथ

पश्चिम बंगाल की मख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी मंगलवार को भाजपा पर कई आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि हगली और हावडा में हिंसा के पीछे भाजपा का हाथ है। उन्होंने बंगाल में हिंसा के लिए अन्य राज्यों से गुंडों को मंगाया। मुझे हर वक्त अलर्ट रहना होता कि भाजपा कब कहां जाकर दंगा कर दे। ये लोग समझते नहीं हैं बंगाल के लोग दंगा पसंद नहीं करते। सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि वे एक समुदाय को दूसरे के खिलाफ खड़ाकर हिंदू धर्म को बदनाम कर रहे हैं, लेकिन दंगाइयों का कोई धर्म नहीं है, वे महज राजनीतिक गुंडे हैं। मैं हर किसी से शांति बरतने की अपील करती हूं। वह दंगाइयों को बच कर भागने नहीं देंगी और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

#### न ममता रोक पाईं न नीतीश से संभल सका: ओवैसी

एआईएमआईएम चीफ और हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने भी दोनों राज्यों सरकारों के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। उन्होंने कहा कि ये राज्य सरकारों की विफलता है, चाहे वह पश्चिम बंगाल सरकार हो या बिहार सरकार, या फिर कर्नाटक में इदरीस पाशा की मॉब लिंचिंग। सरकार क्या कर रही थी? बरसों से मुख्यमंत्री रहे नीतीश कुमार इसे रोक नहीं पाए हैं। मैं नीतीश कुमार और राजद सरकार के व्यवहार की निंदा करता हूं कि वे इस मदरसे को जलाने और मस्जिद पर हमले को रोकने में पुरी तरह विफल रहे हैं। इसके अलावा, बिहार में मुसलमानों की संपत्तियों को लक्षित तरीके से जलाया गया था। ओवैसी ने आगे कहा कि जब भी किसी राज्य में हिंसा होती है तो उसकी जिम्मेदारी राज्य सरकार की होती है। बिहारशरीफ में मदरसे को आग के हवाले कर दिया गया और मुसलमानों की दुकानों को निशाना बनाया गया। इसके पीछे साजिश है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जानते थे कि नालंदा एक संवेदनशील जिला है, फिर भी वहां

#### पंजाब: पत्नी, बेटे और पालतू कुत्ते को मारी गोली, फिर एएसआई ने भी किया सुसाइड

घटना का कारण

तलाश रही पुलिस

गुरदासपुर, (एजेंसी)। पंजाब के ग्रदासप्र में पंजाब पुलिस के एएसआई भूपिंदर सिंह ने 40 साल की पत्नी बलजीत कौर और 19 साल के बेटे बलप्रीत सिंह को गोली मारकर हत्या कर

दी साथ ही अपने पालत कत्ते को भी गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया। इसके बाद एएसआई भूपिंदर सिंह ने खुद को भी गोली मारकर सुसाइड कर लिया।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के मृताबिक, गांव के सरपंच परमजीत सिंह ने बताया कि उनको सुचना मिली कि गांव के रहने वाले एएसआई भूपेंदर

सिंह ने घर में अपनी सर्विस गन से पत्नी और बेटे की गोली मारकर हत्या कर दी है। अपने पालतू कृत्ते को भी गोली मार दी।

वहीं, वारदात को अंजाम देते समय गांव की जिस महिला ने देखा था, उसको भी एएसआई अगवा कर अपने साथ लेकर फरार हो गया था, जिसे पुलिस ने बरामद कर लिया है। इसके बाद पलिस ने महिला का चेकअप सिविल अस्पताल में करवाया। सरपंच ने कहा कि इस घटना के बाद से गांव में दहशत का माहौल है। बताया जा रहा है कि एएसआई भूपिंदर सिंह ने खुद को गोली मार ली है।

#### नैनी, बांदा और बरेली जेल के अधीक्षक किए निलंबित

लखनऊ, (ब्यूरो)। यूपी सरकार ने नैनी, बरेली तथा बांदा के जेल अधीक्षकों को मंगलवार को निलंबित कर दिया। नैनी सेंट्रल जेल के वरिष्ठ जेल अधीक्षक शशिकांत सिंह को अतीक अहमद को 28 मार्च को उम्र कैद की सजा में नैनी सेंटल जेल जेल अधीक्षक शशिकांत सिंह ने अतीक को जेल मे लेने से मना कर दिया था। वहीं, बरेली जेल के अधीक्षक राजीव कुमार शक्ला को भी निलंबित किया। माफिया अतीक अहमद के भाई अशरफ को जेल में सुविधाएं मुहैया कराने के मामले में निलंबन की कार्रवाई की गई। वहीं बांदा जेल में माफिया मुख्तार अंसारी बंद है। इस जेल में डीजी जेल की ओर से खिफया जांच कराई गई थी, जिसमें डीआईजी जेल की रिपोर्ट के आधार पर जेल अधीक्षक अविनाश गौतम पर निलंबन की कार्रवाई की गई।

#### यूजर ने ट्वीट किया कॉपी पेस्ट सीएम, हिमंत बोले सीख रहा हूं

नई दिल्ली,(एजेंसी)। असम सीएम हिमंता बिस्वा सरमा ने मंगलवार 4 अप्रैल को उन्हें कॉपी पेस्ट वाले सीएम बताने पर जवाब दिया है। दरअसल, सीएम सरमा राज्य के एक स्कूल गए थे। उन्होंने विजिटर बुक में कुछ लिखा था, जिसको लेकर उनकी आलोचना करते हुए कहा जा रहा है कि इसको लेकर पहले से टेक्स्ट लिखकर लाए थे। दिवटर यूजर रोशन राय ने द्वीट किया कि असम के सीएम जो कि विजिटर बुक में एक पैराग्राफ बिना कॉपी किए हुए नहीं लिख सकते।

इस पर मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने जवाब दिया कि मैं असमी मीडियम स्कूल गया था। मैं हिंदी व अंग्रेजी सीख रहा हं। मैं स्वीकार करता हं कि हिंदी-अंग्रेजी मुझे अच्छे से नहीं आती। एक ने सोशल मीडिया पर लिखा कि आप (सरमा) ऐसे ट्वीट का जवाब मत दीजिए।

### राहुल के सस्पेंशन पर लोकसभा स्पीकर को लिखा खत

नर्ड दिल्ली, (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अधीर रंजन चौधरी ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को एक पत्र लिखा है। चौधरी ने इसमें राहल गांधी की संसदीय सदस्यता खत्म होने के मामले में उठाते हुए लिखा एक अन्य नेता के ऊपर लगे आरोपों का जिक्र करते हुए राहुल गांधी पर हुई कार्रवाई पर सवाल खड़े किए हैं।

उन्होंने यह भी सवाल उठाया है कि किसी भी सदस्य को बर्खास्त करने के लिए दो मुख्य नियमों पर ध्यान दिया जाता है, उन्होंने कहा मामले में उन्हें सजा भी सुनाई गई थी।

#### नेता प्रतिपक्ष अधीर रंजन ने की संसद में चर्चा की मांग

कि राहुल गांधी के केस में दूसरे नियम पर ध्यान नहीं दिया गया है। अधीर रंजन ने अपने खत में गजरात के अमरेली से लोकसभा क्षेत्र से सांसद नारनभाई कछाडिया का उदाहरण पेश किया है। उन्होंने कहा कि नारनभाई पर आईपीसी की धारा 332, 186 और 143 के तहत अपराधों का दोषी ठहराया गया था। इस

नारनभाई को 332 के तहत तीन साल की सजा और 143 के तहत 6 महीने की सजा सनाई गई थी। कल उन्हें साढे तीन साल की सजा दी गई थी। इस मामले में कछाडिया ने हाईकोर्ट में अपील दायर की थी। हाईकोर्ट ने 18 अप्रैल 2016 को उनके कनविक्शन पर स्टे देने से इनकार किया था। हालांकि हाईकोर्ट ने उनकी सजा को सस्पेंड किया था।

अधीर रंजन ने सवाल उठाया है कि प्रतिनिधि अधिनियम 1951 के सेक्शन 8 के चाहिए थी लेकिन उस वक्त के तत्कालीन

बॉलीवुड फिल्म आदिपुरुष का नए

पोस्टर पर फिल्म के डायेरेक्टर ओम

राउत, प्रोड्यूसर भूषण कुमार और

एक्टर्स के नाम पर मुंबई के

साकीनाका पुलिस स्टेशन में संजय

दीनानाथ तिवारी ने शिकायत दर्ज

कराई है, फिल्म के पोस्टर ने हिंदू

धर्म की भावनाओं को ठेस पहुंचाया

है। पोस्टर में कृति सेनन को

अविवाहित महिला के तौर पर बगैर

सिंदूर के दिखाया है। वहीं राम बिना

जनेऊ पहने दिखाया गया है।

शिकायतकर्ता का कहना है कि

बॉलीवुड फिल्म निर्माता निर्देशक एवं

कलाकारों ने ऐसा जानबूझकर किया

है। ऐसा कर के वो सनातन धर्म का

अपमान कर रहे हैं। ये बेहद निंदनीय

है। आदिपुरुष के पोस्टर ने हिंदू धर्म

का अपमान किया है।

बिना जनेऊ के राम, सीता की मांग में नहीं सिंदर

लोकसभा स्पीकर ने उन पर कोई एक्शन नहीं लिया। अधीर रंजन ने लिखा कि यह दिलचस्प है कि कांग्रेस नेता राहल गांधी को सुरत की एक अदालत ने 2 साल की सजा सुनाई है। अदालत के इस फैसले के मद्देनजर उन्हें लोकसभा से अयोग्य करार दिया गया। इसके बावजूद कि राहुल की सजा उसी अदालत ने सस्पेंड कर दी थी। अधीर रंजन ने अपने खत में एक और बात को हाईलाइट किया है। किसी भी सदस्य की तहत उनकी संसदीय सदस्यता रदद की जानी सदस्यता रदद करने के लिए दो कंडीशन्स का पालन करना जरूरी होता है।

#### अरुणाचलः अलग नामकरण को भारत ने किया खारिज

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत ने अरुणाचल प्रदेश के कुछ स्थानों का चीन द्वारा अलग नामकरण किए जाने को सिरे से खारिज कर दिया है और कहा है कि इससे वास्तविकता नहीं बदलेगी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने इस बारे में मीडिया के सवालों के जवाब में कहा कि हमने ऐसी रिपोर्ट देखी हैं। यह पहली बार नहीं है जब चीन ने इस तरह का प्रयास किया है। हम इसे सिरे से खारिज करते हैं। श्री बागची ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न और अविभाज्य अंग रहा है तथा रहेगा। इस प्रकार के अविष्कृत नामकरण करने के प्रयास इस वास्तविकता को नहीं बदल सकते हैं। रिपोर्टों के अनुसार चीन ने अरुणाचल प्रदेश में 11 जगहों के नाम बदलने का ऐलान किया है।

#### लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान खत्म करना तानाशाही मनोवृत्ति

#### लोकतंत्र सेनानी संघ अदालत समेत सभी फोरम पर करेगा इसका कड़ा विरोध



नई दिल्ली/ग्वालियर, (आरएनएन)। लोकतंत्र सेनानी संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष व सांसद कैलाश सोनी ने हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार द्वारा लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान और सम्मान निधि बंद करने के निर्णय की कड़ी निंदा करते हुए कहा है कि कांग्रेस ने एकबार फिर सम्मान समाप्त कर लोकतंत्र विरोधी मानसिकता का परिचय दिया है। लोकतंत्र के नाम पर घडियाल

आंसु बहानेवाली कांग्रेस का चेहरा बेनकाब हो गया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनी ने देश भर के लोकतंत्र सेनानियों की प्रदेश इकाईयों से इस निर्णय का लोकतांत्रिक तरीके से प्रतिकार करने के निर्देश दिए हैं।

लोकतंत्र सेनानियों ने आपातकाल में कांग्रेस सरकार की तानाशाही को समाप्त करने के लिए आंदोलन किया जिसके कारण लोकतंत्र बहाल हुआ। अगर उस समय लोकतंत्र बहाल नहीं होता तो आज हिमाचल में कांग्रेस की सरकार भी नहीं होती। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि लोकतंत्र सेनानी संघ सभी फोरम पर इसका कड़ा विरोध करेगा। न्यायालय के दरवाजे भी खटखटाएंगे। हिमाचल के राज्यपाल से भी अनुरोध करेंगे कि लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान समाप्त करने वाले विधेयक को स्वीकृति प्रदान नहीं करें। कांग्रेस का यह कदम गैर प्रजातांत्रिक है। हर स्तर पर कांग्रेस के लोकतंत्र विरोधी इस कदम का विरोध किया जाएगा।

#### भाजपा ने कथित कोयला घोटाले को लेकर कांग्रेस को लिया आढे हाथ

**नई दिल्ली. (एजेंसी)।** भाजपा ने एक बार फिर से कांग्रेस पर निशाना साधा है। यपीए सरकार के दौरान भ्रष्टाचार के तमाम आरोपों को लेकर भाजपा ने 'कांग्रेस फाइल्स' पार्ट-3 जारी की है। इसमें भाजपा ने यूपीए सरकार के दौरान हुए कथित कोयला घोटाले को लेकर कांग्रेस को आड़े हाथों लिया है। इसके पहले भाजपा ने वीडियो सीरीज जारी कर आरोप लगाया था कि यूपीए सरकार के दौरान 48,20,69,00,00,000 रुपए का भ्रष्टाचार हुआ है। वीडियो में कहा गया है कि यह इतना सारा रुपए है कि जुबान तक लड़खड़ा जाए।

चिकित्सकों का जनहितैषी कानून पर सहमत होना सुखद संकेतः गहलोत

## डाक्टरों के काम पर लौटने की उम्मीद

जयपुर, (ब्यूरो)। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है कि कोई भी व्यक्ति इलाज के अभाव में कष्ट नहीं पाए, इस सोच के साथ राज्य सरकार 'स्वास्थ्य का अधिकार' (आरटीएच) लेकर आई है और यह प्रसन्नता की बात है कि बिल के संबंध में चिकित्सकों के समक्ष रखे गए प्रस्ताव पर सहमति बनी है, इससे राजस्थान 'राइट टू हैल्थ' लागू करने वाला देश का पहला राज्य बनेगा।

श्री गहलोत ने मंगलवार को राज्य सरकार एवं चिकित्सकों के बीच 'स्वास्थ्य का अधिकार' बिल को लेकर सहमति बनने पर कहा कि सभी प्रदेशवासियों ने इस बिल के पक्ष में राज्य सरकार का सहयोग किया और आगे बढ़कर इस जनहितैषी बिल का स्वागत किया है। अब चिकित्सकों की भी इस महत्वपूर्ण बिल पर सहमति बनना सुखद संकेत है। उन्होंने



आशा व्यक्त की है कि सभी चिकित्सक तुरंत प्रभाव से काम पर वापस लौटेंगे और स्वास्थ्य का अधिकार, मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना एवं आरजीएचएस जैसी योजनाओं को सरकारी एवं निजी अस्पताल मिलकर सफल बनाएंगे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि निजी एवं सरकारी अस्पतालों ने जिस तरह कोविड का बेहतरीन प्रबंधन कर मिसाल कायम की, उसी तरह इन योजनाओं को धरातल पर सफलतापूर्वक लागू कर ''राजस्थान मॉडल ऑफ पब्लिक हैल्थ' पेश करेंगे। इससे पहले मुख्य सचिव निवास पर प्रमुख शासन सचिव, चिकित्सा शिक्षा टी. रविकांत एवं आईएमए, उपचार तथा पीएचएनएस के प्रतिनिधियों के बीच वार्ता हुई, जिसमें विभिन्न बिंदुओं पर दोनों पक्षों की ओर से सहमति व्यक्त की गई।

समझौते के अनुसार 'स्वास्थ्य का अधिकार' लागू करने के प्रथम चरण में 50 बेड से कम के निजी मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल को इस कानून के दायरे से बाहर रखा जाएगा। जिन निजी अस्पतालों ने सरकार से कोई रियायत नहीं ली है या अस्पताल के भू-आंवटन में कोई छूट नहीं ली है, उन पर भी इस कानून की बाध्यता

#### उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन का 31वां सदस्य बना फिनलैंड

हेल्सिंकी, (एजेंसी)। रूस सदस्य बनने की मंजुरी दी गई थी। और यूक्रेन के बीच चल रही जंग के बीच, यूरोप के सुरक्षा परिदृश्य में ऐतिहासिक बदलाव हुआ है। रूस की नाराजगी के बावजूद फिनलैंड मंगलवार को

नाटो का 31वां सदस्य

फिनलैंड के नाटो में शामिल होने के बाद अब रूस से लगने वाली नाटो

देशों की सीमा पहले की तुलना में लगभग दोगुनी हो गई है। बता दें कि फिनलैंड की करीबन 1300 किलोमीटर से लंबी सीमा ऐसी है जो रूस से सटी हुई है। ऐसे में यह युक्रेन के साथ जारी तनाव के बीच रूस के चिंता का कारण बन सकता है। इससे पहले, गुरुवार को तुर्की की संसद में फिनलैंड को नाटो का

नाटो के महासचिव जेन्स स्टोलटेनबर्ग ने इसका स्वागत किया। उन्होंने कहा कि पहले हमने नहीं सोचा था कि फिनलैंड

रूस से लगी सदस्य बन जाएगा। नाटो देशों की लेकिन अब वे हमारे सीमा हुई दोगुनी गठबंधन के पूर्ण सदस्य होंगे।

> ऐतिहासिक है। हालांकि क्रेमलिन ने इस कदम को रूस की सुरक्षा और राष्ट्रीय हितों पर हमला करार दिया है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमत्री पेस्कोव ने कहा कि यह रूस की सुरक्षा पर हमला है। इस कदम के बाद हम सामरिक और रणनीतिक दृष्टि से जवाबी उपाय करने के लिए

#### त्रिपुरा का लक्ष्य बांस से हरित हाइड्रोजन उत्पादन करना : साहा

अगरतला, (एजेंसी)। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा ने मंगलवार को कहा कि राज्य स्वच्छ ऊर्जा के लिए बांस का उपयोग करके हरित हाइड्रोजन का उत्पादन करेगा। जी20 के दो दिवसीय विज्ञान-2 सम्मेलन की मेजबानी के अनुभव को साझा किया।

डॉ. साहा ने कहा कि वैश्विक विशेषज्ञों से पता चला कि बांस बायोमास ऊर्जा में जीवाश्म ईंधन का विकल्प बनने की बड़ी क्षमता है, जो कि विभिन्न ऊर्जा उत्पादों (चारकोल, सिनगैस और जैव ईंधन) का उत्पादन करने के लिए थर्मल और जैव रासायनिक रूपांतरण में संसाधित किया जा सकता है, जो मौजूदा जीवाश्म ईंधन का विकल्प हो सकता है।



## जेडीए की पूर्व में ध्वस्त हुई अवैध कॉलोनियों पर फिर से निर्माण जारी

## जोन-12 व 14 में जेडीए की 'टोलरेंस नीति' पर कॉलोनाइजरों की मनमानी

कार्यालय संवाददाता जयपुर (हिलव्यू समाचार)। जेडीए की प्रवर्तन शाखा की अवैध कॉलोनियो पर मेहरबानी का आलम देखना है तो आप जोन-12 व 14 मे देख सकते हैं जहाँ पर पूर्व मे ध्वस्त कॉलोनियो पर वर्तमान में निर्माण कार्य फिर से तेज़ी से शुरूहो गये हैं।इन ध्वस्त कॉलोनियों से तोडफोड करने पर रेवेन्यू भी प्राप्त किया गया और जेडीए द्वारा ख़र्च दिखाया गया।कृषि भूमि पर बिना भू-रूपांतरण के बन रही आवासीय कॉलोनियों पर प्रवर्तन शाखा ने ध्वस्तीकरण कर एक बार तो कॉलोनाइजरों पर शिकंजा कसा भी लेकिन अन्य ध्वस्त कॉलोनियों के ठीक विपरीत जेडीए जोन-12 व 14 में नतीजे रहे कि दूसरे दिन ही वापस विलाएँ बनने लगीं।



1. जोन 14 में रिंग रोड से पहले महर्षि गौतम स्कूल के पास हो रही कॉलोनी पर पूर्व मे दिनांक 27 सितम्बर 2022 को ध्वस्तिकरण की कार्यवाही की गई थी। उक्त कॉलोनी पर वर्तमान समय में निर्माण फिर से शुरू हो गये जब प्रवर्तन अधिकारी राजेन्द्र शर्मा को उक्त कॉलोनी में फिर से निर्माण संचालित होने की शिकायत की गई तो वह टालमटोल करते दिखे और बिल्डर्स इठलाते हुए नजर आये। हाल यह है कि जहाँ प्रवर्तन अधिकारी राजेन्द्र शर्मा का रोजाना आना-जाना होता है वहाँ क्या उनको उक्त कॉलोनी में अवैध होते निर्माण नजर नहीं आते?

2. जोन 14 में दूसरी अवैध कॉलोनी कल्लावाला गाँव में बिना भू-रूपांतरण के बन रही 'कल्याण वाटिका' को पूर्व में दिनाँक 21अगस्त 2022 को ध्वस्तीकरण की कार्यवाही सुनिश्चित की गई थी परन्तु आँख-मिचौली के चलते वर्तमान में यहाँ पर 30-40 विलाओं का निर्माण तीव्र गति से संचालित हो गया है इन अवैध कॉलोनियो की शिक़ायत के बावजूद भी कार्यवाही का ना होना अपने आप में ही प्रवर्तन अधिकारी राजेन्द्र शर्मा पर सवाल खड़े करता है।

3. जोन 12 के कालवाड रोड़ पर बिना भूमि रूपांतरण के काटी जा रही अवैध कॉलोनियों पर कार्यवाही करने वाला जयपुर विकास प्राधिकरण उसी जोन में स्थित ग्राम पीथावास लालचन्दपुरा लिंक रोड पर अवस्थित निजी खातेदारी कृषि भूमि पर प्रवर्तन अधिकारी निर्मला कार्यवाही क्यों नहीं कर रही जबकि लगातार शिकायतें दी



एनक्लेव, जोन 14 में अवैध विलाएं अवैध निर्माण जारी। 'गोविंद विहार-3' पर पूर्व में

हो जाता है। लगातार शिक़ायतों के बाद जयपुर विकास प्राधिकरण अधिकारियों ख़ामोशी भूमाफ़ियाओं से साठगांठ के

गठजोड़ को दर्शाती है।

दिनांक 30 मई 2022 को

ध्वस्तिकरण की कार्यवाही

करता है लेकिन फिर वर्तमान में

यहाँ अवैध विलाज का निर्माण

अनवरत रूप से पुनः संचालित

प्रवर्तन शाखा की अवैध कॉलोनियो पर जीरो टोलरेंस नीति की पोल खुलती हुई नजर आ रही है। जेडीए की पिक एण्ड चूज की कार्यवाहियों से राज्य सरकार के राजस्व को भारी नुकसान



रिंग रोड़ से पहले,महर्षि गौतम के सामने, जेडीए जोन-14 में वेयर हाउस के पास, कृषि भूमि में अवैध प्लॉटिंग।

व सेक्टर प्लान ध्यान रखा जाता ना ही भू-रूपांतरण कराया जाता है। भूमि पुनर्गठन तो जैसे अस्तित्व में आता ही नहीं। पार्क-सुविधा

फलतः न केवल अनियोजित विकास होता है अपितृ खरीददार की जीवन की संचित कमाई को भी ये अवैध निर्माणकर्ता दांव पर लगा देते हैं और ये खरीददार जीवनभर इन अवैध विलाओं और इमारतों के फ्लैट्स में समस्याओं से जूझते रहते है।

अब सवाल यह है कि ख़बरें प्रकाशित होने पर और लगातार जेडीए विभाग में ईओ,उपायुक्त

से संपर्क करने पर भी उक्त कॉलोनियों पर क्या कार्यवाही क्यों नहीं होती। आख़िर क्या वजह है कि चारों तरफ़ फैले अतिक्रमण और अवैध निर्माण जेडीए के किसी अधिकारी कर्मचारी को

### नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति और जीवन मूल्यों से जोड़ने पर दिया जोर

## राज्यपाल कलराज मिश्र ने प्रतिभाओं किया'राजस्थानगौरव'सेस

जयपुर। राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा है कि प्रतिभाएं किसी एक समाज की नहीं बल्कि संपूर्ण राष्ट्र और समाज की धरोहर होती हैं। उन्होंने कहा कि अच्छे कार्यों का सम्मान यदि होता है तो इससे पुरे समाज में एक सकारात्मक वातावरण बनता है। राज्यपाल 'राजस्थान गौरव' सम्मान समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने राजस्थान गौरव से अलंकृत विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिभाओं का अभिनंदन करते हुए सम्मानित प्रतिभाओं को भविष्य में समाज और राष्ट्र के लिए कार्य करते हुए अपना सर्वोत्कृष्ट देने का आह्वान किया। राज्यपाल ने नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति और जीवन मूल्यों से जोड़ने के लिए भी अधिकाधिक कार्य करने की आवश्यकता जताई। संस्कृति युवा संस्था के सुरेश मिश्रा



ने संस्था द्वारा किए जा रहे विभिन्न कार्यों, सार्वजनिक सरोकारों से जुड़े आयोजनों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर एचसी गणेशिया, दिनेश शर्मा, गौरव धामाणी ने भी विचार रखे।

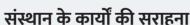
#### इनका किया सम्मान

राज्यपाल ने भारतीय सेना में कारगिल युद्ध के नायक रहे रिटायर्ड कर्नल वी.एस. बालोठिया, सीनियर आईएएस अजिताभ शर्मा, भारतीय पुलिस सेवा के राजीव पचार, भारतीय इंजिनियरिंग सेवा के आश सिंह राठौड, भारतीय राजस्व सेवा के नितिन कुमार जैमन, सवाई मानसिंह अस्पताल के अधीक्षक

अचल शर्मा, दुबई के यंग एंटरप्रेन्योर अंकित जैन, शिव विलास रिसोर्ट के चेयरमैन स्व. श्री बृजमोहन शर्मा, इंटरनेशनल वुडबॉल प्लेयर अजय सिंह, मांड गायिका बेगम बतूल, आईटी प्रोफेशनल सुदीप, व्यवसाय के क्षेत्र में प्रताप सिंह, रविंद्र प्रताप सिंह, फुटबाल खिलाडी अजय सिंह मीणा आदि प्रतिभाओं को राजस्थान गौरव सम्मान से सम्मानित किया।

आरयू में छात्र शक्ति परामर्श समारोह: छात्र संघ महासचिव कार्यालय का उद्घाटन

महोत्सव का अध्ययन ज़रूरी, आज़ादी



राज्यपाल ने संस्कृति संस्था द्वारा पिछले 28 वर्षों से 'राजस्थान गौरव' सम्मान, विद्यार्थियों को स्कॉलिरशप, जयपुर मैराथन आदि आयोजनों के लिए संस्था की सराहना की। उन्होंने कहा कि जीवन पथ पर वही व्यक्ति निरंतर आगे बढ़ते हैं जो अपने लिए ही नहीं, बल्कि दूसरों के हित को ध्यान में रखते हुए कार्य करते हैं। उन्होंने 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की व्यस्टि नहीं समष्टि भाव की सर्व कल्याण की सोच से सभी को कार्य करने का आह्वान किया।

#### सब्सिडी जाएगी जनाधार लिंक खाते में पाँच सौ रु. में सिलेंडर के लिए पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन जरूरी

जयपुर। प्रदेश के 73 लाख बीपीएल एवं उज्ज्वला योजना के चयनित परिवारों को 500 रुपए में रसोई गैस सिलेंडर लेने के लिए खाद्य विभाग के पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कराना होगा। उसके बाद लाभार्थियों को जनाधार लिंक के बैंक अकाउंट में 610 रुपए सब्सिडी की ट्रांसफर होगी। जल्द ही डीओआईटी द्वारा पोर्टल तैयार करने के बाद जनाधार के जरिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शुरू होगी। रजिस्ट्रेशन के बाद लाभार्थियों को एक अप्रैल के बाद से लिए गए सिलेंडर की सब्सिडी मिलेगी। लाभार्थियों को एक माह में अधिकतम एक सिलेंडर पर ही सब्सिडी दी जाएगी। इससे पहले सिलेंडर खरीदने के लिए पूरे दाम देने होंगे। इसके बाद बीपीएल कनेक्शन धारकों के 610 रुपए, जबकि उज्ज्वला कनेक्शन धारकों के बैंक खाते में 410 रुपए सब्सिडी की सब्सिडी आएगी। खाद्य विभाग द्वारा जारी दिशा निर्देशों के अनुसार हर माह एक सिलेंडर योजना के अंतर्गत मिलेगा।



#### विभाग ने तेल कंपनियों से लिया

उज्ज्वला और बीपीएल श्रेणी के उपभोक्ताओं की सूचना खाद्य विभाग ने तीनों तेल कम्पनी आईओसीएल, बीपीसीएल, एचपीसीएल से लिया है। जिनके प्रदेश में 1 करोड़ 75 लाख 48 हजार से ज्यादा कनेक्शन है। इनमें प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के 69 लाख 20 हजार से ज्यादा कनेक्शन हैं। इसके अलावा 3 लाख 80 हजार बीपीएल परिवारों के पास रसोई गैस कनेक्शन है। 1 अप्रैल के बाद भी नए कनेक्शन लेने वालों को योजना का लाभ मिलेगा।

#### कांग्रेस ने संगठनात्मक नियुक्तियां शुरू की, 17 ब्लॉक अध्यक्ष बनाए

जयपुर। प्रदेश में विधानसभा चनावों के मद्देनजर कांग्रेस एक्टिव मोड में दिखाई दे रही है। जिसके चलते कांग्रेस में रुकी हुई संगठनात्मक नियुक्तियां फिर शुरू हो गई हैं। रविवार को पीसीसी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के 8 प्रवक्ता, 7 मीडिया पैनलिस्ट एवं 3 मीडिया कोऑर्डिनेटर एवं 17 ब्लॉक अध्यक्षों की नियुक्ति की है। बीते 3 महीनों में 6 बार में पार्टी ने 400 में से 367 ब्लॉक अध्यक्ष बनाए हैं। अभी भी 24 ब्लॉकों में अध्यक्षों की नियुक्ति होना बाकी है। नए ब्लॉक अध्यक्षों में मंत्री महेश जोशी के विधानसभा क्षेत्र हवामहल के दोनों ब्लॉक अध्यक्षों की भी नियुक्ति की गई। वहीं सरकार और पार्टी को कठघरे में खड़े करने वाले मंत्री राजेंद्र गुढ़ा की विधानसभा उदयपुरवाटी में भी एक ब्लॉक अध्यक्ष घोषित किया गया है। इधर पार्टी ने विधायक

इन्द्रराज गुर्जर, प्रशांत बैरवा, अमित

चौहान, खानु खान भूधवाली, महेंद्र गहलोत, आर आर तिवाड़ी, पंकज मेहता, अजय कच्छावा को प्रदेश प्रवक्ता बनाया है। वहीं राजेंद्र आर्य, प्रतिष्ठा यादव, प्रदीप चतुर्वेदी, अनिल टाटिया, किशोर शर्मा, प्रतीक सिंह, भारत मेघवाल को मीडिया पैनलिस्ट में शामिल किया गया है।

#### जय भारत सत्याग्रह 6 अप्रैल से

केंद्र सरकार की नीतियों और अडाणी के खिलाफ कांग्रेस आंदोलन को आगे बढ़ा रही है। राहुल गांधी के खिलाफ की गई कार्रवाई को लेकर भाजपा और केंद्र सरकार को घेरने के लिए जिला स्तरीय जय भारत सत्याग्रह 6 अप्रैल से शुरू किए जाएंगे। 6 अप्रैल को 11 बजे बाड़मेर के आदर्श स्टेडियम और दोपहर 3 बजे भागू का गांव जैसलमेर में जिला स्तरीय सभा होगी। ७ अप्रैल को ११ बजे प्रतापगढ़ में और दोपहर 3 बजे चित्तौड़गढ़ में इंदिरा गांधी स्टेडियम, चित्तौडगढ पर जिला स्तरीय सभा का कार्यक्रम होगा।

हिलव्यू समाचार जयपुर। राजस्थान विवि में छात्र शक्ति परामर्श समारोह में छात्र संघ महासचिव अरविन्द जाजड़ा के कार्यालय का उद्घटान किया गया। समारोह में भाजपा के संगठन महामंत्री चंद्रशेखर, जिला प्रमुख रमा देवी , महापौर सौम्या गुर्जर ने फीता काटा। वहीं, महसचिव की कुर्सी पर बैठते ही अरविंद भावुक हो गया।

अरविंद ने कहा कि ये खुशी के आंसू हैं। विपरीत परिस्तिथियों के बावजूद सभी के साथ और संघर्ष से आज यहां तक पंहचा हूं। परामर्श समारोह के मुख्य अतिथि भाजपा के संगठन महामंत्री ने युवाओं को आगामी 25 वर्ष

के लिए चार बड़े संकल्पों लेने की नसीहत दी। उन्होंने कहा कि ये आजादी अमृत महोत्सव है। इसका अध्ययन जरूर करना चाहिए। गुलामी क्या होती है? आजादी हमने कैसे हासिल की। इसके बारे में अभी हमें समझने की जरूरत है, जिस प्रकार के स्वतंत्रता सेनानी ने नारे दिए, दुश्मन की गोलियां खाई है। अमृत महोत्सव बहुत ही प्रेरणादायी है। ये संकल्पों का काल है। ये विकसित भारत के लक्ष्य का काल हैं। आज भारत सभी टेक्नोलॉजी और क्षेत्रों में भारत अग्रणी बन रहा है। देश सोलर और ग्रीन एनर्जी में वर्ल्ड लीडर बन रहा है।

# को समझें युवा: चंद्रशेखर छात्रसंघ कार्यालय में आप सभी का

#### यूनिवर्सिटी को अखाडा नहीं बनाएं

वहीं, एबीवीपी के प्रांत संगठन मंत्री अर्जुन तिवारी ने सरकार को घेरते हुए कहा कि विवि में लोग सरकार कें मुखबिर बनकर बैठे हैं। यहां पर सरकार के इशारों पर काम होता है। सरकार के कहने पर अरविन्द का चुनावों में परचा रद्द कर दिया था, लेकिन छात्र शक्ति के आगे इन्हें झुकना पड़ा। छात्र शक्ति ने अरविंद को रिकॉर्ड मतों से विजयी बनाया। एबीवीपी छात्रों के हितों के लिए काम करता रहेगा। कार्यक्रम में नगर निगम ग्रेटर की महापौर सौम्या गुर्जर ने कहा कि यूनिवर्सिटी को अखाड़ा नहीं बनाएं, हमें इस बात का ध्यान रखना होगा।

#### जाजड़ा बोले... मैं साधारण परिवार से

महासचिव अरविंद ने कहा कि उनके पिता साधारण एलडीसी थे। 2015 में एलबीएस कॉलेज में एडमिशन लेने के बाद इलेक्शन के लिए नॉमिनेशन भरा, लेकिन पर्चा रद्द हो गया। फिर लॉ कॉलेज में एडमिशन लिया, लेकिन इलेक्शन हार गया पर आज मैं यहां हूं। जब इलेक्शन हुए तो मुझे रोंकने की पूरी कोशिश की गई। राजस्थान यूनिवर्सिटी प्रशासन ने मेरा पर्चा रद्व कर दिया, लेकिन मेरे साथियों ने मेरे लिए लड़ाई लड़ी, इसलिए मैं आज यहां आ

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, एवं मुद्रक शालिनी श्रीवास्तव के लिए अम्बर ऑफसेट प्राइवेट लिमिटेड, डी.एल. टॉवर, 3-ए, विद्याश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर में मुद्रित एवं प्लॉट नंबर C-2,अर्शिया रेजिडेंसी, फ्लैट नंबर 201,आदर्श नगर,राजा पार्क जयपुर-302004 (राजस्थान) से प्रकाशित। संपादक: शालिनी श्रीवास्तव सह-संपादक: हरीश श्रीवास्तव, छबड़ा बारां सह-संपादक: कुलदीप गुप्ता, जयपुर मो.: 9460678701, 7976561127 (21 जून 2014 से निरन्तर प्रकाशित) hillviewsamachar@gmail.com (राजस्थान सरकार से विज्ञापन हेतु स्वीकृत)